हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 64 | देहरादून, मंगलवार, 27 अगस्त, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 8

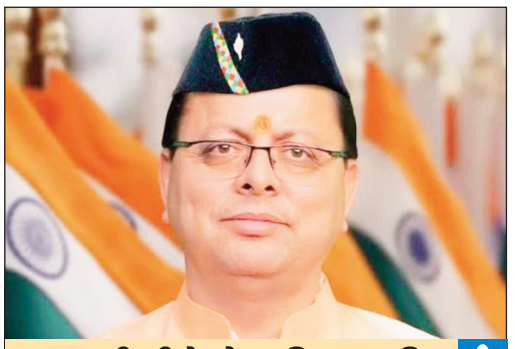

मुख्यमंत्री जी देखो दुपहिया ड्राइविंग टेस्ट में झाझरा का झमेला 3

बड़े और कड़े फैसलों से बढ़ी मुख्यमंत्री धामी की लोकप्रियता

प्रतिष्ठित मीडिया समूह नव भारत टाइम्स के सर्वे में टॉप पर मुख्यमंत्री धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 अगस्त। देश के युवा मुख्यमंत्रियों में शुमार पुष्कर सिंह धामी ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता से देशभर में योगी के बाद भाजपा शासित राज्यों में सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री का खिताब हासिल किया है। मुख्यमंत्री धामी के देशभर में नजीर बने कड़े और बड़े फैसलों और राज्य के विकास को लेकर लिए गए नीति निर्णयों से अलग छवि उभरी है। खासकर मातृशक्ति और युवा वर्ग में राज्य के हित में लिए गए फैसलों से मुख्यमंत्री धामी खासे चहेते हैं।

देश के प्रतिष्ठित मीडिया समूह नव भारत टाइम्स ने अपने ऑनलाइन प्लेटफार्म पर सीएम योगी के बाद भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों में सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री को लेकर पोल कराया। इस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम पर 51.1 फीसद जनता ने पोल कर सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री पर मुहर लगाई है। जबकि पोल के दौरान जनता ने कमेंट के माध्यम से भी मुख्यमंत्री धामी के फैसलों और कामकाज की खुलकर तारीफ की है।

इसके अलावा सर्वे में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा को 16.9 फीसदी, गोवा के प्रमोद सांवत को 16.3 फीसद तथा गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को मात्र 15.7 लोगों ने वोट दिया है। उल्लेखनीय है कि पहले भी इंडियन एक्सप्रेस के देश के ताकतवर भारतीयों की सूची में मुख्यमंत्री धामी ने 61 वां स्थान प्राप्त कर खासी धाक जमाई थी। जबकि विकास कार्यों को लेकर नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्यों(एसडीजी) रैंकिंग

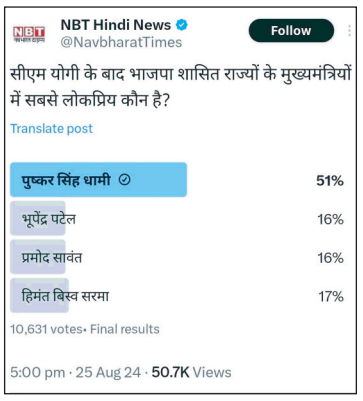

- योगी के बाद देश के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्रियों में शुमार पुष्कर सिंह धामी
- यूसीसी, नकलरोधी कानून और लैंड जिहाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के निर्णय बने नजीर
- धामी के निर्णयों से सतत विकास लक्ष्यों में भी राज्य ने देशभर में किया टॉप
- सीएम धामी की लोकप्रियता पर सबसे ज्यादा 51.1 फीसद लोगों ने लगाई मुहर
- हिमंत को 16.9 प्रतिशत तो सांवत को 16.3 और पटेल को 15.7 फीसदी मत

में भी देशभर में उत्तराखंड को पहला स्थान दिलाकर मुख्यमंत्री धामी ने अपने काम पर लोकप्रियता की लंबी लकीर खींची है। इधर, मुख्यमंत्री धामी की आमजनों के बीच तथा सोशल मीडिया में भी खासी लोकप्रियता है। कुछ माह पूर्व मुख्यमंत्री धामी प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह के बाद देश में सबसे ज्यादा फ़ॉलो किए जाने वाले नेताओं की सूची में दर्ज हो चुके हैं। अकेले फेसबुक पेज पर उनके फॉलोवर्स एक करोड़ पार हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने ऐसे बनाई अलग पहचान : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महज तीन साल में विकास के साथ कानून व्यवस्था को लेकर बड़े फैसले लिए हैं। सबसे पहले देश का पहला सख्त नकलरोधी कानून लागू कर मुख्यमंत्री धामी ने देश के लिए नजीर पेश की है। खासकर उत्तराखंड के बाद यूपी और केंद्र सरकार ने कड़ा नकलरोधी कानून लागू किया है। इसके अलावा भारतीय संविधान में दी गई समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी कानून की व्यवस्था को सबसे पहले राज्य में लागू करने का निर्णय लेकर देशभर में मिसाल कायम की है। इसके अलावा सैकड़ों हेक्टेयर जमीन को अतिक्रमणमुक्त कर लैंड जिहाद पर प्रभावी कार्रवाई की गई।

साथ ही सख्त दंगारोधी कानून, धर्म परिवर्तन कानून जैसे कई बड़े कानून बनाए हैं। इसके अलावा सिलक्यारा सुरंग आपदा में 41 मजदूरों का सकुशल रेस्क्यू, जोशीमठ आपदा से निपटने से लेकर हल्द्वानी और राज्य में हाल ही में केदारनाथ आपदा समेत अन्य स्थानों पर आई आपदा में मुख्यमंत्री धामी ने बड़ी सूझबूझ से जिम्मेदारी निभाई है। इसके अलावा कुशल राजनीतिज्ञ की भूमिका में भी युवा मुख्यमंत्री धामी ने लोकसभा चुनाव में देशभर में जहां ताबड़तोड़ जनसभाएं की हैं, वहीं उत्तराखंड की पांचों सीटों पर रिकॉर्ड वोटों से जीत दिलाई है।

कृष्णा जन्माष्टमी की रात भक्ति भाव में डूबे सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 27 अगस्त , पुलिस लाइन, देहरादून में आयोजित श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित में कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भजन गायक हंसराज रघुवंशी और पांडवास बैंड ग्रुप सहित अन्य कलाकारों ने विभिन्न कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दीं जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने भव्य प्रस्तुतियां देने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

जन्माष्टमी की धूम - मुख्यमंत्री भी गए झूम : इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि जन्माष्टमी का पर्व भगवान श्री कृष्ण के जीवन आदर्शों को आत्मसात करने का अवसर है। उन्होंने कहा है कि भगवान श्री कृष्ण की जीवन लीलाओं और संदेशों से हमें सत्य, प्रेम, त्याग, शांति, सेवाभाव और सद्भावना को आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। भगवान श्री कृष्ण का जीवन और उनके उपदेश हमें सत्य, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी सभी को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण का जीवन संपूर्ण मानव जाति को अधर्म, अन्याय एवं अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा देता है।

भगवान श्री कृष्ण के जीवन चरित्र और संदेशों से हमें सत्य, प्रेम, त्याग, शांति, सेवा भाव और सद्भावना की भी प्रेरणा मिलती है। उनके श्रीमुख से निकले वाक्य आज गीता के रूप में हमें प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में प्रथम महिला गुरमीत कौर, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी गीता धामी, हंस फाउंडेशन प्रमुख माता मंगला, भोले जी महाराज, विधायक खजान दास, सविता कपूर, डीजीपी अभिनव कुमार, एसएसपी अजय सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ओम पर्वत से गायब हुआ 'ऊं', जानें इस छोटा कैलाश कहलाने वाले पर्वत की कहानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 अगस्त : हिंदू धर्म से जुड़े कई ऐसे पवित्र स्थल हैं, जो चमत्कारी हैं. जैसे अमरनाथ की गुफा और ओम पर्वत. हर साल अमरनाथ में बर्फ से अपने आप तय जगह पर बर्फ से शिवलिंग बनता है, जिसके दर्शन करने के लिए लाखों भक्त कई किलोमीटर लंबा दुर्गम रास्ता तय करके पहुंचते हैं. इसी तरह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में ओम पर्वत है. इस पर्वत पर हर साल बर्फ से 'ऊँ' की आकृति बनती है. ओम पर्वत चीन सीमा से लगते लिपुलेख दर्रे के पास है. इस आकृति के कारण ही यह पर्वत ओम पर्वत नाम से मशहूर है।

पहली बार ऐसा हुआ है कि ओम पर्वत बर्फ से बनने वाली ऊँ की आकृति गायब हो गई है. खबरों के मुताबिक ओम पर्वत पर इस साल ऊं की आकृति नहीं बनी है. वैज्ञानिकों के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग तो इसकी बड़ी वजह है ही, साथ में यहां पर पर्यटन काफी बढ़ रहा है. टूरिज्म बढ़ने के कारण सड़कें बनाई जा रही हैं, टूरिस्ट्स की सुविधा के लिए कई स्ट्रक्चर्स बनाए जा रहे हैं, जिससे हिमालय रीजन के वातावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। ओम पर्वत पिथौरागढ़ जिले से 170 किलोमीटर दूर नाभीढांग में स्थित है. नास्तिकों को भी यह चमत्कार आश्चर्य में डालता है कि कैसे हर साल इस पर्वत पर बर्फ से ओम की आकृति बन जाती है. यह जगह शिवशक्ति के आशीर्वाद की गवाह है. कहा जाता है इस पर्वत पर कोई भी भगवान शिव की उपस्थिती और आशिर्वाद महसूस कर सकता है. ओम पर्वत के धार्मिक और पौराणिक महत्व का उल्लेख महाभारत, रामायण एवं वृहत पुराण, जैसे ग्रंथों में मिलता है।

स्कंद पुराण के मानस खंड में आदि कैलाश एवं ऊँ पर्वत की यात्रा को कैलाश मानसरोवर यात्रा जितना ही महत्व दिया गया है. इसलिए इसे छोटा कैलाश भी कहा जाता है. हिमालय में ओम पर्वत को विशेष स्थान माना जाता है. बता दें कि इस पर्वत की ऊंचाई समुद्र तल से 6,191 मीटर यानी 20,312 फीट की ऊंचाई पर है. खास बात ये है कि जब इस पर्वत पर सूर्य की पहली किरण पड़ती है तो ओम शब्द आपको अलग ही चमकता हुआ नजर आएगा. जो देखने में बहुत अद्भुत लगता है।

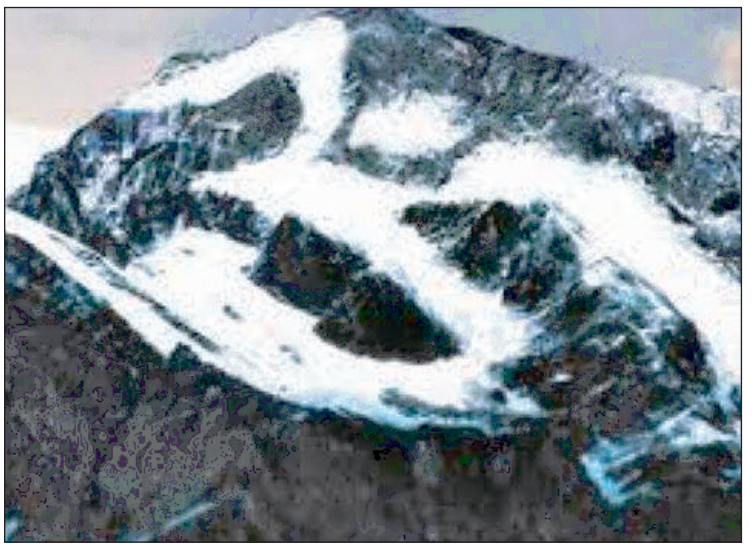

हेल्थ के लिए कितनी पीनी चाहिए बियर, जानें एक्सपर्ट की राय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 अगस्त : डॉ संदीप कहते हैं कि समाज में बियर को लेकर एक भ्रम है. बियर पीने से स्टोन निकल जाता है या फिर किडनी को साफ रखने में बीयर बेहतर भूमिका निभाती है जबकि यह बिल्कुल निराधार है. वह कहते हैं कि जो स्टोन निकलने वाली होती है अगर पानी भी अधिक मात्रा में पिएं तो उससे भी पथरी निकल जाती है. जबकि बियर शरीर के लिए काफी नुकसानदायक है.

एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर बियर का ज्यादा सेवन किया जाए तो यह शरीर पर नकारात्मक असर डाल सकती है. इसमें अल्कोहल की मात्रा होती है जो लिवर को नुकसान पहुंचा सकती है, मोटापा बढ़ा सकती है और मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव डाल सकती है. ऐसे में बियर का उपयोग न ही करें तो स्वास्थ्य के लिए बेहतर है.

बियर की प्रक्रिया को "ब्रूइंग" कहा जाता है. इसके चार प्रमुख घटक पानी, माल्टेड जौ, हॉप्स और यीस्ट होते हैं. सबसे पहले जौ के दानों को पानी में भिगोकर अंकुरित किया जाता है. फिर इन्हें सुखाकर माल्ट में बदला जाता है. उसके बाद माल्ट को पीसकर गर्म पानी में मिलाया जाता है. जिससे अनाज में मौजूद शर्करा निकल जाती है.

फिर इस मिश्रण को उबाला जाता है और इसमें हॉप्स डाले जाते हैं, जो बियर को उसका कड़वापन और खुशबू देते हैं. इसके बाद मिश्रण को ठंडा कर यीस्ट मिलाई जाती है, जिससे शराब बनती है. यीस्ट शर्करा को अल्कोहल और कार्बन डाइऑक्साइड में बदल देती है. बियर को कुछ दिनों या हफ्तों के लिए छोड़ दिया जाता है ताकि इसका स्वाद बेहतर हो सके. अंत में बियर को बोतलों या केन में भरकर बाजार में भेजा जाता है.

291 ब्रिज, 91 टनल और 8 घंटे का सफर , इस ट्रेन में यात्रा करना सबके बस की बात नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 अगस्त : स्विट्जरलैंड में ग्लेशियर एक्सप्रेस दुनिया की सबसे खूबसूरत ट्रेन जर्नी में से एक है. जर्मेट और सेंट मोरिट्ज़ के दो ग्लैमरस पर्वत रिसॉर्ट्स को जोड़ने वाली यह ट्रेन जर्नी लगभग 8 घंटे की है. ट्रेन 291 पुलों को पार करती है और 91 सुरंगों से होकर गुजरती है. इसमें आइकॉनिक लैंडमेसर वियाडक्ट और ओबराल्प पास भी शामिल हैं, जो समुद्र तल से 2,033 मीटर ऊपर है।

रूस के मॉस्को से व्लादिवोस्तोक तक 9000 किलोमीटर से अधिक लंबी ट्रांस-साइबेरियन रेलवे दुनिया की सबसे लंबी रेलवे लाइन है. इस रेल मार्ग को दुनिया के सबसे शानदार ट्रेन यात्राओं में से एक माना जाता है. सप्ताह भर की इस यात्रा में आप यूराल पर्वत से लेकर टैगा जंगल और बैकाल झील की शांत सुंदरता देखेंगे.न्यूजीलैंड की ट्रांस अल्पाइन ट्रेन क्राइस्टचर्च से ग्रेमाउथ तक चलती है. इसे दुनिया की सबसे सुंदर ट्रेन यात्राओं में से एक माना जाता है. 5 घंटे की इस यात्रा में आपको कैंटरबरी मैदानों, दक्षिणी आल्प्स और पश्चिमी तट के हरे-भरे वर्षावनों को देखने का अनुभव मिलेगा. कनाडा की रॉकी माउंटेनियर एक लक्जरी ट्रेन जर्नी है. यह ट्रेन कनाडाई पर्वतों के बीहड़ वैभव को दिखाती है. यह ट्रेन दो दिन अपने सफर में रहती है. इस जर्नी में वैंकूवर से बानफ तक की यात्रा अपनी प्राकृतिक भव्यता के लिए प्रसिद्ध है. यात्रा के मुख्य आकर्षणों में फ्रेजर कैन्यन शामिल है, जहां ट्रेन संकरी चट्टानों से होकर गुजरती है. इसे इंजीनियरिंग का एक चमत्कार ही माना जाता है.

लो अब खाना बनाने वाली बाई का झंझट ही खत्म

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 अगस्त : सोशल मीडिया की दुनिया बड़ी अनोखी है। यहां हर दिन अनोखे पोस्ट वायरल होते रहते हैं। किसी पोस्ट में गजब का जुगाड़ देखने को मिलता है तो किसी पोस्ट में अनोखे मशीन देखने को मिलते हैं। आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अगर एक्टिव रहते हैं तो फिर आपके फीड पर भी ऐसे पोस्ट तो आते ही होंगे। और अगर नहीं आता है तो कोई बात नहीं आज हम एक ऐसा ही पोस्ट लेकर आए हैं जो आपको हैरान कर देगा। पोस्ट में एक अनोखी मशीन नजर आ रही है। आइए फिर आपको बताते हैं कि वह मशीन क्या काम कर रही है।

अभी जो पोस्ट वायरल हो रहा है उसमें नजर आ रहा है कि एक जगह पर मशीन फिट किया गया है। उस मशीन को इस तरह बनाया गया है जिसमें खाना बनाने की बर्तन आसानी से रखे जा सकते हैं। पोस्ट में नजर आ रहा है कि उस पर फ्राई पैन रखा हुआ हैं, गैस भी चालू है और वहीं पास में अलग-अलग बर्तनों में कटी हुई सब्जी और मसाले रखे हुए हैं। मशीन चालू होने के बाद सब्जी बनाने का पूरा काम मशीन खुद कर रही है। इसका मतलब सब्जी बनाने के लिए जितनी चीजों की जरूरत है, उन्हें बस सही क्रम में रखने के बाद का सारा काम मशीन खुद कर रही है। वीडियो सोशल पोस्ट पर काफी वायरल हो रहा है।इस पोस्ट को ट्विटर अकाउंट से शेयर किया गया है। पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'अब खाना बनाने वाली की झंझट खत्म।' पोस्ट में इस बात की जानकारी नहीं दी गई है कि यह पोस्ट कब और कहां का है। और यह भी जानकारी नहीं है कि मशीन का नाम क्या है, मगर अभी पोस्ट वायरल हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी देखो दुपहिया ड्राइविंग टेस्ट में झाझरा का झमेला

ह्यांकी और ट्रांसपोर्ट विभाग की हठधर्मिता से बच्चों और महिलाओं को रास्ते में बना रहता है जान का खतरा

- अंडर 18 और बिना गियर वाले दुपहिया ड्राइविंग लाइसेंस के लिए बच्चे और महिलाएं 25-30 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते है
- राजपुर रोड आरटीओ ऑफिस में उपलब्ध है दुपहिया लाइसेंस टैस्ट की सभी सुविधाए और ट्रैक

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 27 अगस्त , दुपहिया वाहनों के लिए जारी होने वाले लाइसेंस और अंडर 18 ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े कार्यों के लिए लम्बे समय से आवेदको को शहर से करीब 25- 30 किमी दूर आइडीटीआर (इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रेनिंग रिसर्च) झाझरा की दौड़ बेवजह लगानी पड़ती है। दुपहियों के लर्निंग टू लाइसेंस टेस्ट, डुप्लीकेट लाइसेंस बनाने,पक्का लाइसेंस टैस्ट या लाइसेंस में कोई भी बदलाव आदि कार्य झाझरा जाकर कराने पड़ते हैं । दरअसल अदूरदर्शिता और असंवेदनशील फैसले ने स्मार्ट सिटी के हज़ारों बच्चों , महिलाओं और बुजुर्गों को अमानवीय मुसीबत में डाल रखा है जो अमल में आया था साल 2022 के अप्रैल - मई के महीने में , जब जनहित को नज़रअंदाज़ करते हुए तत्कालीन परिवहन आयुक्त और सचिव अरविंद हयांकी ने अपनी हठधर्मिता का प्रदर्शन करते हुए दुपहिया लाइसेंस के टेस्ट सेक्शन को झाझरा शिफ्ट करने का आदेश जारी किया था।

बाल आयोग तक पहुंचा मामला

आरटीओ देहरादून दफ्तर में चक्कर काट रहे पीड़ित लोगों की आवाज़ जनहित में न्यूज़ वायरस ने उठाई है।

दुपहिया वाहनों के सड़क हादसों पर अंकुश लगाने को परिवहन विभाग ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट की प्रकिया भले ही जटिल कर रहा हो, मगर आमजन के लिए यह बेहद भारी पड़ रही है। परीक्षास्थल तक पहुंचना दुपहिया लाइसेंस के आवेदकों के लिए टेढ़ी खीर साबित होती है। अंडर 18 बच्चो और महिलाओं के लिए तो सुरक्षा संबंधी चिंता भी है। वहां तक जाने में आने वाली व्यवहारिक दिक्कतों पर विभाग का इस दौरान ध्यान नहीं गया है जो किसी भी सड़क दुर्घटना का सबब बन सकता है । शहर से लगभग 25-30 किमी दूर आइडीटीआर में दुपहियों के लाइसेंस के लिए टेस्ट देने जाने के लिए पूरा दिन का समय बर्बाद होता है और रास्ते में सड़क दुर्घटना का भय भी बना रहता है अगर दुपहिया आवेदकों में युवती, महिला व नवयुवक हो तो सुरक्षा कारणों से उन्हें एक सहयोगी या परिजन भी ले जाना पड़ता है। इससे बड़ी दिक्कत भारी ट्रैफिक वाले चकराता हाइवे से होते हुए चार किमी अंदर पहुंचना होता है। क्योंकि,वहां कोई परिवहन सुविधा भी नजर नहीं आती है। ऐसे में स्थानीय लोग इसको तत्कालीन ट्रांसपोर्ट कमिश्नर अरविंद सिंह हयांकी का एक अमानवीय और हठधर्मिता वाला फैसला भी बताते हैं जिसका खामियाजा लोगों को आज भी भुगतना पड़ रहा है। लेकिन अब हिंदी दैनिक न्यूज़ वायरस ने आम लोगों के इस दर्द को धामी सरकार तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है।

दुपहिया लाइसेंस के लिए आवेदकों की टेस्ट मुसीबत से अनजान बना परिवहन विभाग

अगर आपके पास अपना वाहन है तो आप अपने परिचित वैध लाइसेंसधारक के जरिए उक्त वाहन से झाझरा पहुंच सकते हैं। अगर आपका निजी वाहन नहीं है तो आप पटेलनगर निरंजनपुर मंडी, बल्लीवाला या बल्लूपुर चौक से डाकपत्थर रूट की बस या झाझरा रूट की सिटी बस से बालाजी मंदिर झाझरा तक पहुंच सकते हैं। वहां से आपको सुनसान रास्ते पर पैदल चार किमी की दूरी नापनी पड़ेगी।

शहर से करीब 25- 30 किमी की दूरी तय कर पहुँचते हैं झाझराअपना वाहन हुआ तो ठीक, वरना झेलनी होती है दोहरी मुसीबतहाइवे से करीब चार किमी अंदर है आइडीटीआरहाइवे से आइडीटीआर तक पहुंचने के लिए नहीं है कोई वाहन सुविधा,दोनों ओर जंगल व सुनसान क्षेत्र से होकर गुजरता है चार किमी का रास्ता।

दुपहिया लाइसेंस टेस्ट से पहले जो अपना वाहन खुद चलाकर नहीं ले जा सकते उन्हे टेस्ट देने औरडीएल बनाने के लिए पूरा दिन करना पड़ता है खराब और आसपास किसी वाहन मांगने के लिए गिड़गिड़ाना पड़ता है,बारिश या भीषण गर्मी में आवेदकों को होती है और भी ज्यादा परेशानी,अंडर 18 बच्चो,युवतियां व महिलाओं को अकेले जाने में सुरक्षा की बड़ी चिंता सताती है।

नए ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ब्रजेश संत से जगी है जनता को उम्मीद

हिंदी दैनिक न्यूज़ वायरस ने देहरादून की इस आम पीड़ा का हाल नए परिवहन आयुक्त ब्रजेश संत को बताते हुए उस प्रस्ताव की चिट्ठी की बात की जिसमे आम आदमी को हो रही इसी परेशानी की वजह से खुद आरटीओ दफ्तर ने जिक्र करते हुए 18 मई 2023 को परिवहन आयुक्त से दुपहिया वाहनों के ड्राइविंग टेस्ट को झाझरा से शिफ्ट कर देहरादून आरटीओ ऑफिस में शिफ्ट करने की बात कही थी। लेकिन तत्कालीन आयुक्त अरविन्द सिंह ह्यांकी ने इस बेहद सुझाव को दरकिनार कर दिया था जिसका खामियाजा आज भी मासूम बच्चों , महिलाओं और बुजुर्गों को झेलना पड़ रहा है। इस पर नए आयुक्त परिवहन ब्रजेश संत ने जल्द से जल्द उस चिट्ठी पर कार्यवाही करते हुए जनहित में फैसला लेने का आश्वासन दिया है।

वहीँ ये मुद्दा अब हिंदी दैनिक न्यूज़ वायरस के माध्यम से सीधे सीएम दफ्तर भी पहुँच गया है जिसके बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि देहरादून की लाखों जनता से जुड़े इस समस्या के प्रति संवेदनशील और जन हित में फैसले लेने वाले सीएम धामी ज़िम्मेदार परिवहन अफसरों को इस समस्या से निजात देने के लिए उचित निर्देश देंगे।

आरटीओ देहरादून सुनील शर्मा ने दैनिक न्यूज़ वायरस द्वारा उठाए गए इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि आरटीओ कार्यालय अंडर 18 बच्चो,महिलाओं,बुजुर्गो के दुपहिया लाइसेंस टैस्ट की समस्या भली भांति जानता है और उसके समाधान के लिए एक आधिकारिक पत्र परिवहन आयुक्त को लिखा हुआ भी है लेकिन अभी तक उसका निस्तारण प्रतीक्षा में है यदि परिवहन आयुक्त के सकारात्मक निर्देश प्राप्त होगे तो हम तत्काल प्रभाव से दुपहिया वाहनों के लाइसेंस टेस्ट राजपुर रोड पर शुरू कर सकते है,आरटीओ सुनील शर्मा ने बताया कि आधुनिक सुख सुविधाओं से लैस दुपहिया ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक तैयार है लेकिन अंतिम निर्णय ट्रांसपोर्ट मुख्यालय को ही लेना है उसमे आरटीओ ऑफिस के अधिकार सीमित है।

उधर बाल आयोग की अध्यक्ष डॉ गीता खन्ना ने बच्चो से जुड़ी इस समस्या के समाधान के लिए संज्ञान लेने की बात कही है।

बृजेश संत, ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, उत्तराखंड

सुनील शर्मा, आरटीओ, देहरादून

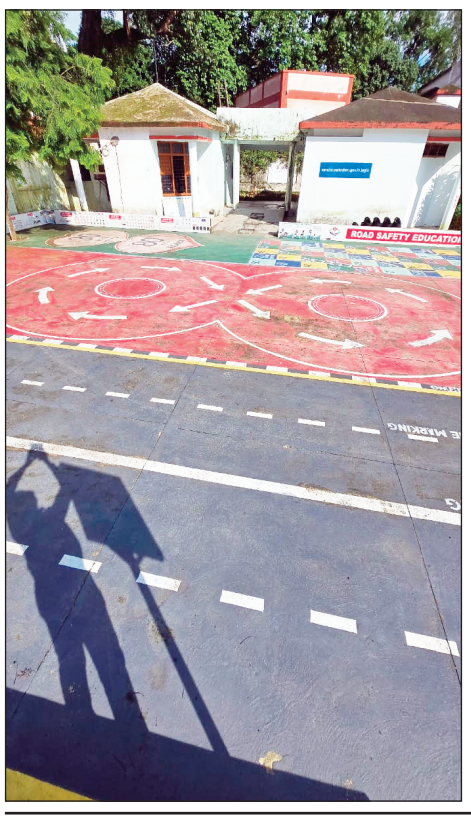

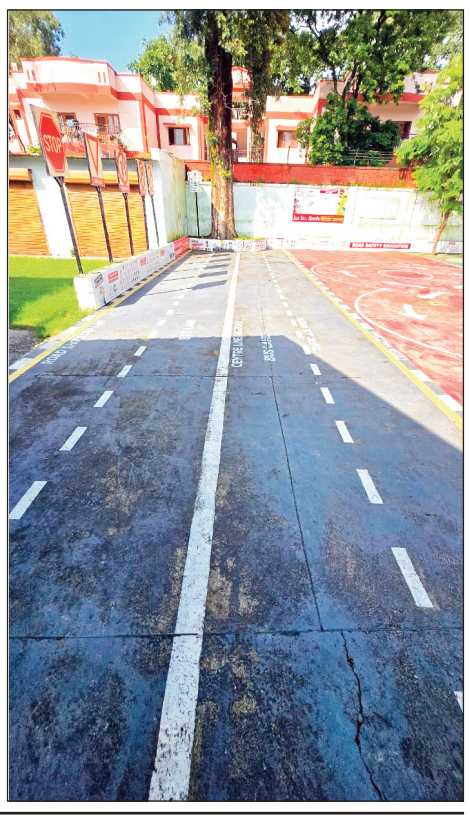

उत्तराखण्ड के कार्यक्रम क्रियान्वयन एवं संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक गैरोला का तूफानी गढ़वाल दौरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 27 अगस्तः उत्तराखण्ड सरकार में कार्यक्रम क्रियान्वयन व संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक कुमार, 23 अगस्त को Bharari sain विधानसभा सत्र समाप्ति उपरांत; 24 अगस्त को चमोली में कार्यक्रम क्रियान्वयन के कार्यों का अनुश्रवण एवं रुद्रप्रयाग में संस्कृत विद्यालय के सहायक निदेशक कार्यालय के निरीक्षण एवं शिक्षकों से भेंट उपरांत 24 अगस्त को ही देर शाम पौड़ी पहुंचे.

25 अगस्त को उन्होंने पौड़ी जनपद के संस्कृत विद्यालयों का भ्रमण किया जिसमें सर्वप्रथम संस्कृत विद्यालय किंकालेश्वर पहुंचे । वहां अध्यापकों से चर्चा की साथ ही छात्रों से भी संवाद किया इस दौरान उन्होंने विद्यालय में संसाधनों को और बेहतर करने के लिए कहां. अपनी तरफ से भी एक सहयोग राशि प्रदान की और कहा, जिलाधिकारी आदि से भी हम सहयोग को कहेंगें. आप लोग भी इसे आगे बढाने के लिए प्रयासरत रहें। सहायक निदेशक पौड़ी मनोज सेमल्टी, अनसूया प्रसाद सुंदरियाल आदि साथ में रहे ।

तत्पश्चात कोट ब्लॉक में स्थित ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय पहुंचे जहां गुरुकुल में छात्रों के द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया उसके बाद शिक्षकों के साथ बैठकर चर्चा की संस्कृत शिक्षा कैसे आगे बढ़ सकती है उसमें सभी से सहयोग के लिए कहा शिक्षकों से संवाद कर उनसे सुझाव भी लिए।

उसके बाद सभागार में छात्रों के साथ बैठकर संवाद किया और कहा कि वास्तव में यहां के भौतिक संसाधन, छात्र संख्या, विद्यालय के आज तक के परिणामों को जानकर बहुत आनंदित हुआ और लगा कि संस्कृत में वास्तविक काम आप लोग कर रहे हैं।आपके सुरक्षित भविष्य हेतु हमारा पूर्ण प्रयास रहेगा।इस दौरान मनोज सेमल्टी सहायक निदेशक पौडी, भारत सरकार मे राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के निदेशक विरेन्द्र जुयाल, प्रधानाचार्य अनुसूया प्रसाद सुन्दरियाल , व सभी आचार्यगण उपस्थित रहे. तदुपरांत देवप्रयाग स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली की शाखा के निदेशक एवं शिक्षकों से प्रदेश में संस्कृत के उत्थान हेतु चर्चा की.

अंत में मुनि की रेती, टिहरी गढ़वाल स्थित दर्शन संस्कृत विद्यालय के प्रबंधन, प्रधानाचार्य एवं शिक्षक गणों से संस्कृत से संबंधित गहन चर्चा की गयी. इस अवसर पर विद्यालय में विशेष समारोह का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने संस्कृत के श्लोकों का वाचन किया और अपने शिक्षकों की प्रेरणा से संस्कृत के महत्व पर प्रकाश डाला।

सचिव ने छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और परंपरा के संतुलन को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा छात्रों को संस्कृत के अध्ययन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया और संस्कृत शिक्षा के माध्यम से समाज में संस्कृति की धरोहर को संरक्षित रखने के महत्व पर विचार साझा किए।समारोह का समापन शान्ति मन्त्र के साथ हुआ, और विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर टिहरी जिले के सहायक निदेशक-संस्कृत शिक्षा पूर्णानंद भट्ट, विद्यालय के प्रबंधक शास्त्री जी, आचार्य श्री मुकेश बहुगुणा, सत्येश्वर प्रसाद डिमरी, डा. कमल डिमरी, डा. सुशील कुमार नौटियाल, आशीष जुयाल, डा. शान्ति प्रसाद मैठानी, सीमा, रामप्रसाद, अनूप रावत, डा. हर्षानन्द उनियाल, गोपी सिलस्वाल आदि उपस्थित थे।

योग विधा में महर्षि अरविंद घोष इंटर कॉलेज बना चैंपियन

विकासनगर। ब्लॉकस्तरीय योग विधा प्रतियोगिता शनिवार को महर्षि अरविंद घोष इंटर कॉलेज डाकपत्थर में हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण डबराल ने कहा कि योग को सिर्फ प्रतियोगिताओं तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। छात्र इस विधा को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं, जिससे शरीर रोग मुक्त रह सके। उन्होंने कहा कि योग से एकाग्रता बढ़ती है। खेल प्रशिक्षक कुंवर सिंह राय ने बताया कि प्रतियोगिता के तहत 878 अंकों के साथ महर्षि अरबिंद घोष इंटर कॉलेज ओवर ऑल चैंपियन बना। इसके अलावा 712 अंक प्राप्त कर रेनबो पब्लिक स्कूल बाड़वाला द्वितीय और 528 अंकों के साथ अशोक आश्रम चीलियो ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान ब्लॉक क्रीड़ा समन्वयक मोहन प्रसाद मिश्रा, दाताराम भट्ट, अनिल सिंह तोमर, भूपेंद्र मेहरा, जोगेश्वर चौहान, फकीर चंद्र जोशी, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

थानाध्यक्ष ने कराया टैक्सी यूनियनों का विवाद समाप्त

विकासनगर। चकराता से सवारियां उठाने को लेकर चकराता टैक्सी यूनियन और हरबर्टपुर-विकासनगर टैक्सी एसोसिएशन के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद को थानाध्यक्ष चकराता की मध्यस्थता से सुलझा लिया गया है। दोनों यूनियन के बीच सवारी छोड़ने और उठाने को लेकर सहमति बन गई है। चकराता की टैक्सी यूनियन द्वारा पिछले कई दिनों से चकराता के बाहर से आने वाले टैक्सी वाहनों के यहां से सवारी उठाने का विरोध किया जा रहा था। इसको लेकर आए दिन विकासनगर, हरबर्टपुर से आने वाले टैक्सी चालकों और यूनियन के पदाधिकारियों के बीच विवाद की स्थिति बनती थी। इसको लेकर जौनसार टैक्सी यूनियन चकराता के प्रधान पूरण राणा और हरबर्टपुर-विकासनगर टैक्सी यूनियन के प्रधान हरीश ममगाई के बीच रविवार को थानाध्यक्ष चकराता चंद्रशेखर नौटियाल की मध्यस्थता में वार्ता हुई। दोनों यूनियन के बीच यह तय हुआ कि चकराता से उत्तराखंड के बाहर की गाड़ी को सवारी नहीं उठाने दी जाएगी। वह सिर्फ सवारी को छोड़ सकती है। साथ ही विकासनगर-हरबर्टपुर टैक्सी यूनियन की गाड़ी को चकराता से सवारी उठाने से नहीं रोका जाएगा और चकराता की टैक्सियों को भी हरबर्टपुर और विकासनगर से सवारी उठाने से नहीं रोका जाएगा। दोनों यूनियन इस समझौते का पालन करेगी। थानाध्यक्ष चकराता चंद्रशेखर नौटियाल ने बताया कि लंबे समय से इन दोनों टैक्सी यूनियन के बीच विवाद चल रहा था। रोजाना ऐसे मामले पुलिस के पास आ रहे थे। बैठक के माध्यम से दोनों यूनियन के बीच समझौता कराया गया है। बैठक में दिनेश, राजेश कुमार, रणवीर राणा, विरेंद्र चौहान, कासिम खान, कल्याण सिंह राणा, पिंटू, जयपाल सिंह चौहान, धजवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाने जरूरी : आदित्य कोठारी

ऋषिकेश। भाजपा सदस्यता अभियान को सफल बनाने में जुट गई है। संगठन ने प्रत्येक बूथ पर दो सौ सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। रविवार को सदस्यता अभियान को लेकर ऋषिकेश में कार्यशाला आयोजित की गई। प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने भाजपाइयों को अभियान में तेजी लाने को प्रेरित किया। जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा की अध्यक्षता में सदस्यता अभियान कार्यशाला का आयोजन शिशु मंदिर आदर्शनगर में किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, राज्यसभा सांसद एवं ऋषिकेश प्रभारी कल्पना सैनी मौजूद रहीं। प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने बताया की सदस्यता अभियान को हम तीन तरह से क्रियान्वयन कर सकते हैं। मिस कॉल, नमो ऐप एवं बारकोड के माध्यम से सदस्य बना सकते हैं। प्रत्येक बूथ पर 200 प्रमाणिक सदस्य बनाना आवश्यक है। सदस्यता अभियान में नए एवं पुराने सभी सदस्यों को सदस्यता लेनी अनिवार्य है। कहा कि आगामी एक सितंबर को जेपी नड्डा प्रधानमंत्री को सदस्यता दिलायेंगे, जबकि 2 सितंबर को प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सदस्य बनाएंगे। प्रत्येक कार्यकर्ता को इस सदस्यता अभियान में भागीदार बनना है और अधिक से अधिक जनमानस को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाने का प्रयास करना है। कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा की भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है के रूप में उभर कर सामने आई है।

संक्षिप्त खबरें

पिकअप-डंपर की टक्कर में एक की मौत, एक घायल

विकासनगर। सहसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत लक्ष्मीपुर में रविवार सुबह साढ़े छह बजे डंपर और पिकअप वाहन की आमने-सामने टक्कर हो गई। इसमें पिकअप वाहन के परखच्चे उड़ गए। हादसे में पिकअप चालक और उसमें सवार शख्स गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में गंभीर रूप से घायल पिकअप सवार ने दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक विकासनगर से देहरादून की ओर जा रहे फलों से भरे पिकअप वाहन की विपरीत दिशा से आ रहे डंपर से आमने सामने की टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप चालक और परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। वाहन में फंसे दोनों घायलों को बाहर निकालने के लिए पुलिस को लोहे के कटर से पिकअप वाहन को काटना पड़ा। इसके बाद घायलों को अस्पताल भेजा गया। दून अस्पताल में उपचार के दौरान परिचालक अमर सिंह निवासी बिंद्री-सरास जनपद उत्तरकाशी की उपचार के दौरान मौत हो गई। घायल चालक पवन सिंह निवासी मोरी-उत्तरकाशी का देहरादून के अस्पताल में उपचार चल रहा है। सहसपुर थाने के एसएसआई शिशुपाल राणा ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

दिल्ली-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर 15 घंटे बाधित रहा यातायात

विकासनगर। दिल्ली-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे जुड्डो के पास एक डंपर पलट गया। डंपर में सिर्फ चालक ही सवार था, उसे किसी तरह की चोट नहीं आई। लेकिन इस दौरान करीब तीन किमी लंबे जाम से आम लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। लोक निर्माण विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद रविवार दोपहर साढ़े बारह बजे 15 घंटे बाद यातायात बहाल किया। बीते सप्ताह भारी मलबा आने से कई दिनों तक बंद रहे दिल्ली-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर जुड्डो के पास डंपर पलटने से शनिवार रात से रविवार दोपहर तक 15 घंटे बंद रहा। मार्ग बंद रहने से इसके दोनों ओर तीन-तीन किमी लंबा जाम लग गया। बताया जा रहा है कि बारिश के कारण मार्ग पर आए मलबे में डंपर के पीछे के टायर धंस गए, इससे वह सड़क पर पलट गया। डंपर चालक ने कूद कर अपनी जान बचा ली, लेकिन डंपर के पलटने से मार्ग पर यातायात ठप हो गया। इस सड़क पर बीते सप्ताह भी चार दिन तक यातायात ठप रहा था। शुक्रवार को यातायात बहाल होने के बाद शनिवार रात को दोबारा यातायात ठप होने से यात्रियों के साथ ही किसानों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यमुना घाटी, जौनपुर और लखवाड़ क्षेत्र के गांवों से नगदी फसलों को लेकर आ रहे किसानों के वाहन पूरी रात बंद मार्ग में ही फंसे रहे। रविवार दोपहर बाद मार्ग खुलने के बाद मंडी पहुंचे किसानों को नगदी फसलों का दाम बेहद कम मिला। किसान सूरज चौहान, प्रीतम सिंह, मुकेश तोमर ने बताया कि विकासनगर मंडी में सुबह नौ बजे तक फसलों की खरीद और बिक्री होती है। इसके बाद नगदी फसलों का दाम बेहद कम मिलता है।

देश भर में महकेगा उत्तराखंड का स्वाद : सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 27 अगस्त , उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने भारत के मशहूर फूड ब्लॉगर गौरव वासन के फूड टूर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह फूड टूर उत्तराखंड के मशहूर एलोरा बेकरी, मेल्टिंग मोमेंट्स के सहयोग से आयोजित की गई है जिसे पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने राजपुर रोड स्थित एलोरा बेकरी मेल्टिंग मोमेंट्स देहरादून से हरी झंडी दिखाई।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा इस यात्रा में गौरव वासन देश के विभिन्न पारंपरिक खान-पान और जयका को लोगों तक पहुंचाएंगे, इस यात्रा में गौरव वासन मेल्टिंग मोमेंट्स के सहयोग से 11 हजार किलोमीटर का सफर करेंगे। इस सफर में गौरव वासन उत्तराखंड के पारंपरिक खानपान और संस्कृति को भी देश के विभिन्न जगहों पर बताएंगे।

गौरव वासन ने कहा कि मैं देश के सभी राज्यों में जाऊंगा और लगभग 50 बड़े शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों को कवर करूंगा एवं वहां के खान-पान और रीति-रिवाज को समाज के हर वर्ग के लोगों तक पहुंच जाऊंगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के पारंपरिक भोजन बहुत ही लोकप्रिय है और भारत के अन्य राज्यों के लोगों को भी यह पता होना चाहिए।

उत्तराखंड में मिलेट्स एवं मोटे अनाज पर बहुत कार्य किया जा रहा है एवं सरकार भी पूरी शिद्दत से इसको प्रमोट करने में लगी हुई है। इस यात्रा में मेरा प्रयास होगा कि उत्तराखंड में जो मिलेट्स के ऊपर काम हो रहा है और यह लोकप्रिय पौष्टिक भोजन के रूप में सामने आ रहा है। उत्तराखंड सरकार के इस प्रयास को सभी राज्यों तक पहुंचना है एवं अन्य राज्यों में भी मिलेट्स एवं मोटे अनाज को एक पौष्टिक आहार के रूप में लोगों के बीच प्रमोट करना है।

गौरव वासन ने कहा पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने मुझे यह भी कहा है कि जब मैं यह यात्रा पूरा कर समापन की ओर बढ़ु तो मैं इस यात्रा को हरिद्वार के गंगा घाट पर समापन करूं , जिससे देश और दुनिया को यह पता चले कि यह यात्रा कितना सफल रहा।कार्यक्रम में सुरेंद्र गुलाटी, वीरेंद्र गुलाटी, मुदित गुलाटी, द्रोण गुलाटी, आकाश, उत्कर्ष सिंह एवं राजपुर रोड व्यापार समिति के सदस्य मौजूद रहे।

झोपड़ी से 1.90 लाख कैश और जेवरात चुराने वाले तीन गिरफ्तार

हल्द्वानी। मुखानी थाना क्षेत्र के लोहरियासाल तल्ला में 13 दिन पहले एक झोपड़ी से 1.90 लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात चोरी करने के आरोप में पुलिस ने रविवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर सोने के सभी जेवरात बरामद किए हैं, लेकिन चांदी का मात्र एक कड़ा और चोरी गई नकदी में से केवल 3060 रुपये ही बरामद हुए हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। सोमवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस झोपड़ी में रहने वाली महिला हरप्यारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि वह पति गेंदालाल के साथ यहां रहती हैं। घरों में काम कर वह परिवार पालती हैं। पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी और पति की कमाई में से की गई बचत और रिश्तेदारों से कुछ रकम मांगकर 1.90 लाख रुपये प्लाट खरीदने के लिए इकट्ठा किए थे। यह रकम झोपड़ी में ही रखी थी। यहीं एक तोले का सोने का मंगलसूत्र, 20 तोला चांदी की पायलें, कमरबंद, कड़ा और खडुवा भी रखे थे। 11 अगस्त की दोपहर करीब 2:30 बजे वह काम पर गई थीं और उनके पति खेत में काम कर रहे थे। आरोप है कि इस दौरान झोपड़ी से यह नकदी और जेवरात चोरी कर लिए गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और 13 दिन बाद रविवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने ऊंचापुल हरिनगर निवासी महेंद्र कश्यप, कुसुमखेड़ा निवासी चंचल सक्सेना और स्टील फैक्ट्री इलाके में रहने वाले राकेश आर्या के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। चोरी हुए पूरे सामान की बरामदगी के लिए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई मनोज अधिकारी, सिपाही धीरज सिंह सुगड़ा, किशन सिंह राणा और अभिनेश शामिल रहे।

मैत्री फुटबॉल मैच से होगा राष्ट्रीय खेल दिवस का आगाज

हल्द्वानी। राष्ट्रीय खेल दिवस सप्ताह का आगाज जिले में मैत्री फुटबॉल मैच के साथ होगा। जिला खेल अधिकारी निर्मला पंत ने बताया कि 27 अगस्त को शाम 4 बजे हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में कोचों के बीच मैत्री मैच कराया जाएगा। 28 अगस्त को अपराह्न साढ़े 3 बजे खेल क्विज होगी। इसमें जूनियर वर्ग में कक्षा 6 से 8 और सीनियर वर्ग में कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। स्लोगन प्रतियोगिता भी होगी। छात्र-छात्राएं घर से स्लोगन लिखकर ला सकेंगे। दोनों प्रतियोगिताओं में प्रथम तीन स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। 28 अगस्त को सुबह 9 बजे गौलापार अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में जिला स्तरीय अंडर-17 बालक-बालिका हॉकी प्रतियोगिता का उद्घाटन होगा। 29 अगस्त की शाम 4 बजे फाइनल मुकाबले होंगे। इसके साथ ही हल्द्वानी में सुबह 7 बजे से रन फॉर स्पोर्ट्स ओपन टू ऑल आयोजित होगी। इसमें लकी ड्रॉ के जरिए 10 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। जबकि पीएनजी पीजी कॉलेज रामनगर, डीएसए मैदान नैनीताल, राइंका कालाढूंगी में मुख्यमंत्री उदीयमान और सीएम प्रोत्साहन योजना में चुने गए बालक-बालिकाओं के ब्लॉक स्तरीय मनोरंजक खेल होंगे।

शिविर में बनाए पांच यूडी आईडी कार्ड

चम्पावत। समाज समाज कल्याण विभाग की ओर से रविवार को ऐड़ी बालकृष्ण मेला स्थल भिंगराड़ा में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से 110 मरीजों का उपचार किया गया। जबकि समाज कल्याण ने पांच यूडी आईडी कार्ड जारी किए। बहुउद्देशीय शिविर में समाज कल्याण, बाल विकास, कृषि, ग्राम्य विकास, उद्यान, पशुपालन, राजस्व, पंचायती राज, पूर्ति, आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक, उरेडा, विद्युत, जल निगम, जल संस्थान, श्रम, सहकारिता, लीड बैंक, पर्यटन आदि आदि विभागों की ओर से स्टाल लगाकर लोगों विभिन्न योजनाओं की जानकारियां भी दी गईं। शिविर में ब्लॉक प्रमुख सुमनलता, रेखा देवी, राजू बिष्ट, बीडीओ सुभाष चंद्र लोहनी, ग्राम प्रधान गीता भट्ट, मेला आयोजन समिति से रमेश भट्ट आदि मौजूद रहे।

क्षैतिज आरक्षण को राज्य आंदोलनकारियों ने बताया ऐतिहासिक कदम

चम्पावत। राज्य आंदोलनकारियों की रविवार को हुई बैठक में सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण दिए जाने पर खुशी का इजहार किया। उन्होंने मुख्यमंत्री से वंचित आंदोलनकारियों के भी जल्द चिह्नीकरण की मांग उठाई। जिला मुख्यालय में वरिष्ठ आंदोलनकारी बसंत सिंह तड़ागी की अध्यक्षता और नवीन मुरारी के संचालन में हुई बैठक में सरकारी नौकरियों में राज्य आंदोलनकारियों को दस फीसदी क्षैतिज आरक्षण दिए जाने को ऐतिहासिक कदम बताया गया। राज्य आंदोलनकारियों ने कहा कि पूर्व में डीएम की अध्यक्षता में जिलों में गठित आंदोलनकारी चिह्नीकरण समिति की ओर से वंचित आंदोलनकारियों की चिह्नीकरण प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिए। बैठक में आंदोलनकारी शंकर दत्त पांडेय, हरगोविंद बोहरा, जगदीश जोशी, श्याम नारायण पांडेय, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, डीके पांडेय, किशन सिंह, खीम सिंह बिष्ट, खीमानंद पांडेय, पूर्व प्रमुख बहादुर सिंह फर्त्याल, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष मंदीप ढेक, जगेंद्र नाथ आदि ने विचार रखे।

विद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

चम्पावत। जीआईसी बरदाखान के ग्रामीणों ने विद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि विद्यालय में महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षकों के पद रिक्त होने के साथ शिक्षणेत्तर स्टाफ की भी कमी है। स्कूल में जल्द शिक्षकों के रिक्त पद नहीं भरे जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी। विद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग को लेकर पीटीए अध्यक्ष भवान कालाकोटी के नेतृत्व में अभिभावकों व ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि सरकारी स्कूलों की बेहतरी के लिए सरकार की ओर से कोई कदम नहीं उठाया जा रहा। बाराकोट ब्लॉक के सबसे पुराने जीआईसी बरदाखान में प्रधानाचार्य सहित भूगोल, संस्कृत, भौतिक विज्ञान के प्रवक्ताओं के पद लंबे समय से खाली हैं। स्कूल में दफ्तरी, स्वच्छक व अन्य कर्मचारियों के पद भी रिक्त पड़े हैं। शिक्षकों के पद रिक्त होने से छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो गई है। अभिभावकों ने कहा कि सक्षम लोग अपने बच्चों को बाराकोट, लोहाघाट, चम्पावत जगहों पढ़ा रहे हैं, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावकों के पास कोई विकल्प नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

शहीद दुर्गा मल्ल का बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत: प्रेमचंद अग्रवाल

ऋषिकेश। शहीद मेजर दुर्गा मल्ल के 80वें बलिदान दिवस पर रविवार को क्षेत्रवासियों ने उन्हें याद किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि अमर शहीद मेजर दुर्गामल्ल ने इस क्षेत्र की धरती पर जन्म लेकर हमें गौरवान्वित किया है। नगर पालिका परिषद डोईवाला के परिसर में शहीद मेजर दुर्गा मल्ल के 80वें बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने शहीद मेजर दुर्गा मल्ल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में पहुंचे शहरी विकास एवं वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद मेजर दुर्गामल्ल से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। हमें इस महान बलिदानी के त्याग को हमेशा स्मरण करते रहना चाहिए। गोर्खाली समाज से जुड़े विनय सावन ने कहा कि वीर शहीद दुर्गा मल्ल का बलिदान हम सभी को प्रेरणा देता है। जीवन तो सभी जीते परंतु दुनिया सदियों तक तक उन्हीं को याद करती है, जिन्होंने अपने देश के लिए संघर्ष और बलिदान दिया हो। मौके पर संस्कार भारती के नगर अध्यक्ष ईश्वर चंद अग्रवाल, प्रेम सिंह पम्मी राज, शंभू दत्त थापा, देवराज सावन, विशाल थापा, राजू आदि उपस्थित रहे।

गोर्खाली समाज ने हरितालिका तीज मनाई

ऋषिकेश। गोर्खाली समाज की ओर से रविवार को हरितालिका तीज महोत्सव मनाया गया। कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने महोत्सव में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि हरितालिका तीज भगवान शिव और पार्वती को समर्पित है। रविवार को बीजी कैम्प रोड रायवाला में आयोजित गोर्खाली महिला हरितालिका तीज महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री डॉ. अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि हरितालिका तीज का विशेष महत्व है। गोर्खाली समाज की महिलाओं को इस दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है। कहा कि इस व्रत से महिलाओं को सुहागिनी होने का गौरव प्राप्त होता है। मान्यता है कि मां पार्वती ने भगवान शिव को अपने पति के रूप में पाने के लिए 107 बार तप और व्रत लिया था, 108वीं बार तप और व्रत में उन्हें भगवान शिव पति के रूप में प्राप्त हुए थे। गोर्खाली समाज की महिलाओं सहित अन्य समुदाय के लोगों में भी अपने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए इस व्रत को लिया जाता है। इस मौके पर उन्होंने महिलाओं को हरितालिका तीज की बधाई दी। वहीं महोत्सव में महिलाओं ने गीत-संगीत के साथ नृत्य की शानदार प्रस्तुति भी दी। इस मौके पर प्रधान रायवाला सागर गिरी, जिला पंचायत सदस्य दिव्या बेलवाल, जिला मंत्री गणेश रावत, सदस्य जिला योजना सदस्य राजेश जुगलान, कार्यक्रम अध्यक्ष मंजू क्षेत्री, कोषाध्यक्ष यशोदा शर्मा, अल्का क्षेत्री, अंजना चौहान, राहुल अग्रवाल, हेमकला शर्मा, लीला शर्मा, भवानी शर्मा, मीना पोंडल, सरस्वती अधिकारी, लीला गुंसाई, सीता गुसाईं, राधिका क्षेत्री, दुर्गा शर्मा आदि उपस्थित रहे।

निजी संसाधन से खेल मैदान बनाएंगे विधायक

चम्पावत। खेल मैदान की मांग को लेकर जनकांडे क्षेत्र के युवाओं ने रविवार को विधायक खुशाल सिंह अधिकारी से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। युवाओं के आग्रह पर विधायक ने निजी संसाधनों से जल्द खेल मैदान का निर्माण करने का भरोसा दिलाया। अशोक माहरा के नेतृत्व में युवाओं ने विधायक खुशाल सिंह मुलाकात कर उन्हें जनकांडे क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। युवाओं ने कहा कि खेल मैदान के अभाव में उन्हें खेल गतिविधियों के लिए पांच किमी दूर खेतीखान जाना पड़ता है। बताया कि जनकांडे के गुमुड़ में गांव वालों की नाप जमीन है, जिसमें खेल मैदान का निर्माण किया जा सकता है। सभी ग्रामीण भी इस भूमि को खेल मैदान के निर्माण के लिए देने को तैयार हैं। विधायक ने युवाओं को आश्वस्त किया कि वह निजी संसाधनों से गांव में खेल मैदान बनाएंगे। ज्ञापन देने वालों में रमेश माहरा, कुलदीप माहरा, विनोद माहरा, सागर माहरा, अंकित सिंह, अजय सिंह, राकेश सिंह, संजय सिंह, आयुष सिंह, प्रियांशु सिंह, राहुल सिंह, सौरभ सिंह, पवन सिंह आदि शामिल रहे।

उत्तराखंड की 4000 महिला अभ्यर्थियों को टाटा में नौकरी का अवसर

राज्य सरकार के नियोजन विभाग को देश की नामी टाटा कंपनी ने पत्र भेजकर कराया अवगत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 अगस्त : उत्तराखंड के युवाओं को सरकारी व गैर सरकारी क्षेत्र में रोजगार दिलाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में, राज्य के नियोजन विभाग को देश की नामी कंपनी टाटा ग्रुप से पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें टाटा ने अपने कर्नाटका स्थित प्लांट में उत्तराखंड की 4000 महिला अभ्यर्थियों को एनपीएस एवं एनएटीएस कार्यक्रम के अंतर्गत जॉब वेकैंसी निकाने जाने की जानकारी दी है। जल्द ही टाटा समूह इन कार्यक्रमों के अंतर्गत राज्य में नियुक्त प्रक्रिया प्रारंभ करेगा।

राज्य की पुष्कर धामी सरकार निरंतर युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों के अलावा निजी क्षेत्र व स्वरोजगार के क्षेत्र में युवाओं को अवसर प्रदान किये

- तमिलनाडु के होसुर एवं कर्नाटक के कोलार स्थित टाटा प्लांट्स के लिए होनी है नियुक्ति
- मुख्यमंत्री का लगातार रोज़गार सृजन पर है ज़ोर, उनके प्रयासों का दिख रहा असर

जा रहे हैं। युवाओं को देश-विदेश में भी रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

अब टाटा समूह की टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने उत्तराखंड से 4000 महिला अभ्यर्थियों की भर्ती की विज्ञप्ति निकाली है। टाटा समूह के चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर रंजन बंदोपाध्याय की ओर से इस सिलसिले में राज्य के नियोजन विभाग के स्टेट पीपीपी एक्सपर्ट एवं नोडल फॉर ईएपी श्री सुमंता शर्मा को पत्र भेजकर अवगत कराया है कि एनपीएस एवं एनएटीएस कार्यक्रम के अंतर्गत टाटा के होसुर, तमिलनाडु एवं कोलार कर्नाटक स्थित कंपनी के प्लांट्स के लिए यह रीक्रूटमेंट किया जाना है। एमपीएस के लिए अहर्ता कक्षा 10 उत्तीर्ण अथवा 12 रखी गई है जबकि एनएटीएस के लिए कक्षा 10, कक्षा 12 व आईटीआई डिप्लोमा रखी गई है। नियुक्ति के लिए युवाओं को नॉलेज टेस्ट, बीड टेस्ट, पीडीटी(साइको डाइग्नोस्टिक टेस्ट) से गुजरना होगा। टाटा कंपनी की ओर से अवगत कराया गया है कि चयन के बाद इन युवाओं को शॉप फ्लोर टेक्नीशियन के रूप में नियुक्ति दी जाएगी। युवाओं को निर्धारित वेतन के साथ ही रहने, खाने एवं आने जाने की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके अलावा भी कंपनी पालिसी के अंतर्गत तमाम अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मंत्री गणेश जोशी ने प्रेमनगर निवासी कक्षा 8वीं की प्रतिभावान छात्रा शगुन को भेंट की क्रिकेट किट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 अगस्त : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सोमवार को कैंप कार्यालय में खेलों को बढ़ावा देने तथा खेल प्रेमियों के प्रोत्साहन और उनके उत्साहवर्धन के उद्देश्य के दृष्टिगत देहरादून के प्रेमनगर मिट्टीबेरी निवासी प्रतिभावान छात्रा शगुन को क्रिकेट किट भेंट की।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने उनके अग्रिम खेलों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।ज्ञात हो कि देहरादून के पौंधा स्थित केंब्रेज स्कूल की छात्रा शगुन कक्षा 8वीं में अध्यनरत है, जो क्रिकेट में अपना बेहतर प्रदर्शन कर रही है। शगुन की माता उर्मिला देवी स्कूल में पर्यावरण मित्र का कार्य करती है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव : भाजपा ने 44 उम्मीदवारों के नाम का किया ऐलान, पूर्व डिप्टी सीएम का टिकट कटा

नई दिल्ली(एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने 44 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। भाजपा ने सोमवार को जारी किए गए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में प्रथम चरण में होने वाले चुनाव के लिए 15 सीटों पर, दूसरे चरण में चुनाव वाले 10 सीटों पर और तीसरे चरण में चुनाव वाले 19 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं।

भाजपा ने पाम्पोर से इंजी.सैयद शौकत गयूर अंद्राबी, राजपोरा से अर्शीद भट्ट, शौपियां से जावेद अहमद कादरी, अनंतनाग पश्चिम से मोहम्मद रफीक वानी, अनंतनाग से अधिवक्ता सैयद वजाहत, किश्तवाड़ से शगुन परिहार,भदरवाह से दिलीप सिंह परिहार,डोडा से गजय सिंह राणा, रामबाण से राकेश ठाकुर,बनिहाल से सलीम भट्ट, हब्बाकदल से अशोक भट्ट और रियासी से कुलदीप राज दुबे को उम्मीदवार घोषित किया है।

पार्टी के अन्य उम्मीदवारों की बात करें तो, भाजपा ने श्री माता वैष्णो देवी विधानसभा सीट से रोहित दुबे,बुधल से चौधरी जुल्फीकर अली,मेंढर से मुर्तजा खान,नगरोटा से देविंदर सिंह राणा, जम्मू पश्चिम से अरविंद गुप्ता, जम्मू उत्तर से शाम लाल शर्मा, अखनूर से मोहन लाल भगत, छम्ब से राजीव शर्मा को मैदान में उतारा है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में रविवार को हुई भाजपा के केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में इन उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाई गई थी।

इस लिस्ट की खास बात ये है कि इसमें पूर्व डिप्टी सीएम और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. निर्मल सिंह को टिकट नहीं मिला है। निर्मल सिंह ने 2014 में बिलावर विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। वहीं, पूर्व डिप्टी सीएम कविंद्र गुप्ता को भी टिकट नहीं मिला है। हालांकि, अटकलें हैं कि कविंद्र गुप्ता के नाम का ऐलान अगली लिस्ट में किया जा सकता हैय इस लिस्ट में प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष रवींद्र रैना के नाम का भी ऐलान नहीं किया गया है।

उत्तराखंड में पर्यावरण संतुलन बनाना जरूरी

ऋषिकेश। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट उत्तराखंड की ओर से रविवार को तपोवन स्थित एक होटल में पर्यावरण निम्नीकरण और जलवायु परिवर्तन को लेकर गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण को लेकर मंथन किया गया। उत्तराखंड के युवा आर्किटेक्ट्स को पर्यावरण संतुलन बनाने के लिए प्रेरित भी किया गया। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट उत्तराखंड चैप्टर की तपोवन स्थित एक होटल में आयोजित दो दिवसीय गोष्ठी का पर्यावरण विद् अनूप नौटियाल एवं वरिष्ठ आर्किटेक्ट दिव्य कुश ने संयुक्त रूप से शुभारंभ किया। अनूप नौटियाल ने उत्तराखंड प्रदेश में आपदाओं ,जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक, राष्ट्रीय एवं उत्तराखंड राज्य में जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों की जानकारी दी।

आर्किटेक्ट्स कम्यूनिटी को राज्य में एडीजी फाउंडेशन के साथ मिलकर कार्य करने को प्रेरित किया। आर्किटेक्ट दिव्य कुश ने विशेषकर युवा आर्किटेक्ट्स से पर्यावरण बदलाव को लेकर निर्माण सामग्री पर विशेष ध्यान देने को कहा। सचिव आर्किटेक्ट कृष्ण कुरियाल के द्वारा केदारनाथ एवं उत्तरकाशी में आपदा पुनर्वास कार्यों पर प्रस्तुतीकरण किया। वरिष्ठ साइंटिस्ट अशोक कुमार ने निर्माण सामग्री को लेकर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में आर्किटेक्ट एमएस नेगी, मनीष जौहरी, नीरज त्यागी, गौरव वर्मा, जसदीप सेठी, रितेश, कणव, सुबोध डोभाल,संजय भार्गव आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. नौटियाल को मिली पीएचडी की मानद उपाधि

नई टिहरी। सरदार सिंह रावत राजकीय इंटर कॉलेज नैनबाग के प्रधानाचार्य डॉ. चंद्रशेखर नौटियाल को कोलंबिया पेसिफिक वर्चुवल यूनिवर्सिटी द्वारा संस्कृत में संस्कृति एवं संस्कार विषय पर पीएचडी की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। वहीं डॉ. नौटियाल को लाइफलाइन एनवायरमेंट सोसाइटी एवं सोमनाथ नक्षत्र वाटिका ट्रस्ट के द्वारा ग्लोबल ग्रीन अवार्ड 2024 से भी सम्मानित किया गया। डॉ. चंद्रशेखर नौटियाल शिक्षा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में तथा अन्य सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से भूमिका निभाने के साथ ही शिक्षा में नए-नए अनुसंधान करते रहते हैं। डॉ. नौटियाल के सम्मानित होने पर क्षेत्र के लोगों ने हर्ष जताया है।

विधायक शक्तिलाल ने जाना आपदा प्रभावितों का हाल

नई टिहरी। विधानसभा सत्र गैरसैंण से लौटने के बाद घनसाली विधायक शक्ति लाल शाह ने आपदा प्रभावित क्षेत्र घूत्तू-भिलंग के गावों भ्रमण किया। विधायक ने क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण करते हुए आपदा से हुए नुकसान की जानकारी ली। रविवार को घूत्तू बाजार, लोम, साकंरी, पंजा, चक्रगांव, मलेथी देवलंग, भाटगांव पहुंचे विधायक शाह ने आपदा प्रभावितों से मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने प्रभावितों को सरकार की ओर से हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। विधायक ने विभागीय अधिकारियों को प्रभावित लोगों को आवश्यक सुविधाएं खाद्यान्न, पेयजल, बिजली आदि को शीघ्र बहाल करने के निर्देश दिए। साथ ही अस्थाई शिविर में रह रहे लोगों से मुलाकात कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान विधायक ने अधिकारियों को आपदा प्रभावितों के आवास, भोजन, दवाईयों एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए त्वरित समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मौके पर आनन्द सिंह बिष्ट, रूकम लाल राही, केदार बर्तवाल, हिम्मत सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

पलायन रोकने में योगदान के लिए महिलाओं को किया सम्मानित

नई टिहरी। उत्तराखण्ड से पलायन रोकने में मातृ शक्ति के महत्वपूर्ण योगदान के लिए सनातन धर्म मन्दिर बैजण गांव में आयोजित महाशिवपुराण सत्संग कथा में क्षेत्र की जागरूक महिलाओं को सम्मानित किया गया। श्री डाण्डा नागराजा धर्म क्षेत्र विकास समिति, सिलसू की चंडीगढ़, पंचकूला, दिल्ली, फरीदाबाद शाखाओं की ओर से क्षेत्र की 13 जागरूक महिलाओं को सम्मानित किया गया। संत सोहम महाराज, विकास समिति अध्यक्ष सुभाष देशवाल, सेनि प्रधानाचार्य अनुसूया प्रसाद बिजल्वाण व आचार्य शशिकांत भट्ट ने महिलाओं को शाल व सम्मानचिन्ह प्रदान किए। संत सोहम महाराज ने कहा कि उत्तराखण्ड में आस्था भक्ति यहां की मातृ शक्ति के कारण ही जीवित है। समाजसेवी सुभाष देशवाल ने कहा कि मातृ शक्ति के कारण ही पहाड़ों के गांव खेती, गाय, भजन संगीत से आबाद हैं। कठिन जीवन होते हुए भी अधिकांश मातृ शक्ति ने उत्तराखंड से पलायन नहीं किया है, जो वंदनीय है। श्री डांडा नागराजा सनातन युवा शक्ति जागृति मंच ने पलायन रोकने में मातृ शक्ति की महत्व पूर्ण भूमिका बताई। क्षेत्र की लक्ष्मी देवी, उषा देवी, कुसुम, वीना देवी, सुलोचना, शशि देवी, गायत्री देवी, देवेश्वेरी, पुष्पा देवी, भागीरथी, संतोषी, आनंदी, कलावती, कंचन, प्रभा देवी, मकानी देवी को सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिपंस मुकेश बिष्ट, राजेंद्र प्रसाद, विदेश बिजल्वाण, ईश्वरी प्रसाद, मनीष कुकरेती, वीरेंद्र भट्ट, पुष्कर लिंगवाल, पवेंद्र, भगवती प्रसाद नैथानी, नवीन भद्री आदि मौजूद रहे।

संवाद कर एक राज्य-एक पंचायत चुनाव की मांग की

नई टिहरी। एक राज्य एक पंचायत चुनाव को लेकर उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को जिला पंचायत सभागार में रविवार को संवाद यात्रा कार्यक्रम आयोजन किया। जिसमें एक स्वर से सरकार से पूरे राज्य में एक प्रदेश एक पंचायत चुनाव कराने की अपील की। कहा कि यात्रा पूरे प्रदेश भर में निकालकर प्रतिनिधियों को एकत्रित करने और सरकार को चेताने का कार्य किया जा रहा है। जिला पंचायत सभागार बौराड़ी में एक राज्य एक पंचायत चुनाव को लेकर आयोजित संवाद यात्रा के चौथे पड़ाव का जिला पंचायत सदस्य संगठन के जिलाध्यक्ष जयवीर रावत ने स्वागत किया। कार्यक्रम में संगठन की मजबूती के लिए चर्चा की गई। यात्रा संयोजक जगत मार्तोलिया ने आगे की रणनीति को लेकर भी विस्तार से बात की। कहा कि उन्होंने बाबा केदार सहित मुख्यमंत्री की विधानसभा क्षेत्र के गोल्जयू महाराज के दरबार में भी अर्जी लगाई है। कहा कि निर्णय लेने के लिए 31 अगस्त तक सरकार को समय दिया है। कोविड-19 के कारण दो साल पंचायत प्रतिनिधियों को कार्य करने के लिए नहीं मिल पाया।

हरियाणा में सरकार भी बदलेगी और व्यवस्था भी : कुमारी सैलजा

नारनौल(एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, उत्तराखंड की प्रभारी एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में आज बदलाव की बयार बह रही है, हरियाणा में सरकार भी बदलेगी और व्यवस्था भी बदलेगी। सरकार ने अग्निवीर के नाम पर युवाओं से मजाक किया है उनके भविष्य से खिलवाड़ किया है, अगर उनकी शहादत हो जाए तो सरकार उन्हें शहीद का दर्जा तक नहीं देती। उधर महंगाई की मार से महिलाएं परेशान है, बेरोजगारी से अपराध बढ़ रहा है और अपराध से प्रदेश में भय का माहौल है, रंगदारी मांगी जा रही है, गोलियां चलाई जा रही है और सरेआम हत्याएं की जा रही है। भाजपा सरकार के दस साल के कार्यकाल से परेशान प्रदेश की शांतिप्रिय जनता वोट की चोट से भाजपा सरकार से बदला लगी और उसे बाहर का रास्ता दिखाएगी।

वे को नारनौल में कांग्रेस संदेश यात्रा के दौरान आयोजित सभा में उमड़े विशाल जनसमूह को संबोधित कर रही थी। उनके प्रति लोगों में भारी उत्साह देखा गया। बुजुर्गो ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। महिला कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष सुधा भारद्वाज, डा. राज सुदेश ममता, गीता, रेखा, किरण, मुन्नीदेवी, मीरा ने उन्हें चुनरी पहनाकर सम्मानित किया तो राम सिंह ने उन्हें उनके पिता चौ. दलबीर सिंह का विशाल चित्र भेंट किया। महिलाओं ने उन्हें फूलाहार पहनाया। इस मौके पर महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रामकिशन गुज्जर, कालका के विधायक प्रदीप चौधरी, विधायक शमशेर सिंह गोगी, पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, पूर्व विधायक रणधीर सिंह धीरा, पूर्व विधायक जगजीत सिंह सांगवान, राज पाल सिंह पूर्व विधायक, महेंद्र सिंह, जगमाल सिंह डीपी, राव कमलबीर सिंह आदि मौजूद थे। इससे पूर्व पूर्व आईपीएस सुभाष यादव ने भी उनका स्वागत किया था।

कुमारी सैलजा ने विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में जिधर भी देखो बदलाव दिख रहा है लोगों की इच्छा है कि कांग्रेस की सरकार आए। जनता ने भाजपा को दस साल का मौका दिया पर जनता को कुछ भी नहीं मिला, आज भाजपा के हाथ से बाजी निकल चुकी है और हारी हुई बाजी नहीं जीत सकती। उन्होंने कहा कि महंगाई को लेकर हर वर्ग के लोग परेशान हे सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को हो रही है उन्हें घर तक चलाने में कठिनाई हो रही है। आज युवाओं के भविष्य पर ग्रहण लगा दिया है, रोजगार देने का वायदा किया था पर भाजपा देने के बजाए छीनने में लगी हुई है। सीएमआई की रिपोर्ट कहती है कि हरियाणा बेरोजगारी में देश में नंबर वन है।

उन्होंने कहा कि केंद्र हर साल दो करोड़ नौकरी देता तो प्रदेश के युवाओं को भी नौकरी मिलती, प्रदेश में दो लाख पद खाली पड़े है, बैकलॉग पूरा नहीं किया गया, एससी और बीसी बैकलॉग की यही हालत है, एचकेआरएन के तहत कर्मचारी रखकर उनका मानसिक, शारीरिक और आर्थिक शोषण किया जा रहा है, समान काम समान वेतन का ख्याल नहीं रखा जा रहा है। सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे है, गरीबों के बच्चों से शिक्षा का अधिकार छीना जा रहा है, एससी-बीसी वर्ग की छात्रवृत्ति नहीं दी जा रही है। सरकार गरीबों का भला करने के बजाए उन्हें और गरीब बनाने पर तुली है। गरीबों को राशन नहीं रोजगार चाहिए।

पेपरलीक में भाजपा सरकार ने बनाया एक रिकॉर्ड : कुमारी सैलजा ने कहा कि युवा प्रतियोगी परीक्षा के लिए दिन रात तैयारी करता है, 200-200 किमी दूर परीक्षा केंद्र पर जाकर परीक्षा देता है, सुबह परीक्षा देता है तो शाम को पता चलता है कि पेपर लीक हो गया था परीक्षा रद कर दी गई। उन्होंने कहा कि हरियाणा भाजपा सरकार ने पेपर लीक में एक रिकार्ड बनाकर रख दिया है। युवाओं के साथ धोखा और विश्वासघात किया जा रहा है। दक्षिण हरियाणा से फौज में सबसे ज्यादा युवा आते है हर रण में यहां के वीर सपूतों ने बलिदान दिया है, माताएं बच्चों को देश की रक्षा के लिए फौज में भेजती है पर अग्निवीर के नाम पर सरकार ने मजाक किया है। राहुल गांधी ने संसद में यह मुद्दा उठाकर देश के सामने सच्चाई रखी थी।

हरियाणा जहां दूध दही का खाना वो बना अपराध और नशे को ठिकाना

उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान है कि जहां पर दूध दही का खाना वह है हरियाणा पर आज हरियाणा अपराध और नशे का ठिकाना बना हुआ है। महिलाएं सुरक्षित नहीं है, उनका शोषण हो रहा है, उत्पीडन हो रहा है, प्रदेश में रंगदारी की वारदातें बढ़ी है विरोध करने पर गोलियां बरसाई जा रही है, सरेआम हत्याएं हो रही है, प्रदेश का हर वर्ग दहशत में जी रहा है, पुलिस और सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी है। नारनौल क्षेत्र में 22 और 23 अगस्त को रंगदारी मामले में गोलियां चलाई। उन्होंने कहा कि प्रदेश की शांति प्रिय जनता वोट की चोट से भाजपा सरकार से बदला लेगी।

नारनौल का नरक बनाकर रख दिया भाजपा सरकार ने

उन्होंने कहा कि नारनौल के हालात देखकर लगता है कि भाजपा सरकार ने उसे नरक बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोडी है, नगर में चारो ओर सीवर का पानी बह रहा है, 34 करोड़ की राशि सीवर नाले के नाम पर खुर्दबुर्द कर दी गई काम पूरा नहीं हुआ। सीएम ने जो भी घोषणाएं की थी वे घोषणाओं तक ही सीमित रही। कोई शिक्षण संस्थान नहीं खोला गया, आईटीआई की घोषणा की गई उसकी जमीन तक का कोई पता नहीं है।

संपादकीय

पेंशन योजनाओं की राजनीति

सरकारी कर्मचारियों की पेंशन की राजनीति भी भिन्न है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनाव घोषित हो चुके हैं और महाराष्ट्र, झारखंड में अगले माह चुनावों की घोषणा निश्चित है। चुनावों के मद्देनजर ही केंद्रीय कैबिनेट ने जिस 'यूनिफाइड पेंशन स्कीम' (यूपीएस) को स्वीकृति दी है, उससे 23 लाख से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों को लाभ होगा। मोदी सरकार ने इस स्कीम को 'सुनिश्चित आर्थिक सुरक्षा' करार दिया है। अलग-अलग श्रेणियों में जो पेंशन बनेगी, वह 'सुनिश्चित' तौर पर सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारी को मिलेगी। पेंशन के साथ 'महंगाई राहत' को भी जोड़ा गया है। यदि राज्य सरकारें भी इस नई घोषित स्कीम से जुडना चाहती हैं, तो कुल 90 लाख के करीब कर्मचारी इसके दायरे में होंगे। यह स्कीम 1 अप्रैल, 2025 से लागू होगी। इससे पहले 'ओल्ड पेंशन स्कीम' (ओपीएस) थी, जिसमें संशोधन कर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 'न्यू पेंशन स्कीम' (एनपीएस) बनवाई थी। यह दीगर है कि केंद्र में सत्ता बदल गई, लेकिन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने एनपीएस को लागू किया। गौरतलब है कि चुनावी राजनीति के मद्देनजर ही केरल, राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और हिमाचल की सरकारों ने ओपीएस लागू करने की घोषणाएं की थीं। तब राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकारें थीं। अब भाजपा सरकारें हैं, लिहाजा राजनीति बदल गई है। महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी की 'महायुति सरकार' है। इधर केंद्र ने स्कीम की घोषणा की, उधर 'महायुति सरकार' ने भी स्वीकृति दे दी। यह विशुद्ध राजनीति है। बहरहाल सवाल है कि नई पेंशन स्कीम क्यों घोषित की गई है? यूपीएस में ओपीएस और एनपीएस के तत्त्व भी शामिल हैं। यह दोनों पेंशन योजनाओं के बीच का रास्ता है। पेंशन में आर्थिक सुधार किए जा सकते थे। अब राजनीति के मद्देनजर असमंजस बने रहेंगे कि यूपीएस लागू करें या ओपीएस को लागू करने के प्रयास किए जाएं। बेशक यूपीएस की घोषणा से खासकर केंद्रीय कर्मचारी गदगद हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने सीधे ही उनके संगठनों के साथ विमर्श किया। उनके पक्ष और तर्क सुने गए। बेशक मोदी सरकार ने 2023 में, पेंशन सुधार के संदर्भ में ही, एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था। उसने कई देशों की पेंशन-व्यवस्था का अध्ययन किया। विश्व बैंक की रपटें भी पढ़ीं। अंततः यूपीएस की व्यवस्था और उसकी विशेषताएं तय की जा सकीं। भारत 144 करोड़ की आबादी का देश है, जिसमें 65-70 करोड़ ही कामगार हैं। उनमें भी केंद्र और राज्य सरकारों के करीब 90 लाख कर्मचारी हैं, जो पेंशनधारक रहेंगे और उनकी मृत्यु के बाद पत्नी या पति को 60 फीसदी पेंशन मिलती रहेगी। यूपीएस का सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ पडना निश्चित है। खुद सरकार ने बताया है कि नई योजना से, पहले वर्ष में ही, 6250 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। जो कर्मचारी एनपीएस के दौर में, 2004 में, सेवानिवृत्त हुए थे, उनके एरियर भुगतान के लिए भी 800 करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। केंद्र और राज्य सरकारों के बजट में पेंशन पर खर्च करने के लिए बड़ा हिस्सा आवंटित कर रखा है। 2023-24 में केंद्र और राज्य सरकारों ने पेंशन के लिए क्रमशः 2.3 लाख करोड़ रुपए और 5.2 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए थे। राज्यों और संघशासित क्षेत्रों के पेंशन के लिए बजट को इक_ा कर दिया जाए, तो 2023-24 में उनके राजस्व व्यय का अनुमानतः 12 फीसदी बनता है। यह छोटी पूंजी नहीं है। उप्र, केरल, हिमाचल के संदर्भ में यह पूंजी काफी ज्यादा है। बेशक भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से बढ़ रही है, लेकिन यह इतनी भी नहीं है कि हम 2047 में 'विकसित भारत' का सपना साकार कर सकें। अब यूपीएस में भारत सरकार 18.5 फीसदी का योगदान देगी, जबकि पहले यह हिस्सा 14 फीसदी का था। यह भी अतिरिक्त बोझ है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

13वीं माउंटेन मानसून मैराथन के विजेता बने सैनिक अरुण पाल

नैनीताल। नैनीताल में रन टू लिव संस्था की ओर से रविवार को 13वीं माउंटेन मानसून मैराथन आयोजित की गई। जिसमें उत्तराखंड समेत 22 राज्यों के 1200 धावकों ने प्रतिभाग किया। 21 किमी मैराथन के पुरुष वर्ग में भारतीय सेना के जवान पौड़ी गढ़वाल निवासी अरुण पाल विजेता बने, जबकि महिला वर्ग का खिताब मुजफ्फरनगर निवासी रूबी कश्यप के नाम रहा। चार वर्गों में हुई मैराथन के बीच फन रेस का भी आयोजन किया जो मल्लीताल फ्लैट्स से तल्लीताल आयोजित की गई। जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने दमखम दिखाया। मानसून मैराथन की शुरुआत रविवार सुबह 7 बजे हुई। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि भारतीय जीवन बीमा निगम हल्द्वानी के प्रबंधक राजेश तिवारी, विशिष्ट अतिथि आलोक मतीमान, सिने कलाकार हेमंत पांडे, पर्वतारोही शीतल, अंतरराष्ट्रीय कोच राजेंद्र धामी, अंतरराष्ट्रीय धावक होशियार बिष्ट ने किया। आयोजक संस्था के हरीश तिवारी ने बताया कि 22 राज्यों के धावकों के अलावा भारतीय सेना, रेलवे और कुछ नामी मैराथन क्लब भी मैराथन में शामिल हुए। यहां संस्थाध्यक्ष राजेंद्र रावत, सचिव सागर देवरारी, वीरेंद्र ह्यांकी, विनोद पंत, धीरू भाकुनी, इंतखाब, गिरीश भट्ट, रविकांत, राजू कालाकोटी, जीतू, हिमांशु, खुशाल, वीरू, अजय, बालम, मनोज, ऋषभ, पंकज, समृद्धि, नरेंद्र, नेहा, मयंक, ऋषभ रावत, मोहित आदि रहे।

अमित शाह का बड़ा ऐलान, लद्दाख में बनाए गए 5 नए जिले

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए लद्दाख में पांच नए जिलों के गठन की जानकारी दी है। इस फैसले का उद्देश्य क्षेत्र में प्रशासनिक सेवाओं को सुदृढ़ करना और विकास की गति को बढ़ाना है। लद्दाख के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अमित शाह ने ट्वीट कर कहा प्रधानमंत्री के विकसित और समृद्ध लद्दाख के निर्माण के सपने को साकार करने के लिए गृह मंत्रालय ने केंद्र शासित प्रदेश में पांच नए जिले बनाने का फैसला किया है। नए जिले, जिनका नाम ज़ांस्कर, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग है, हर गली-मोहल्ले में शासन को मजबूत करके लोगों के लिए लाभ को उनके दरवाजे तक पहुंचाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

लाइन में खराबी से चल्थी कठौल में दो दिनी से ब्लैक आउट

चम्पावत। राष्ट्रीय राजमार्ग में स्थित चल्थी कठौल कस्बे में बिजली की लाइन में खराबी आने से दो दिनों से बिजली की आपूर्ति ठप है। परेशान ग्रामीणों ने जल्द बिजली की आपूर्ति सुचारू करने की मांग की है। स्थानीय ग्रामीण दिनेश सिंह बोहरा ने बताया कि चल्थी डाकघर के समीप एक पेड़ की टहनी के बिजली लाइन के उपर गिरने से चल्थी और कठौल क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी। जिस कारण 120 से अधिक परिवारों को बीते दो दिनों से अंधेरे में रात काटनी पड़ रही है। बिजली के अभाव महां छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, वहीं शाम ढलते ही गांव में सन्नाटा पसरने लगा है। ग्रामीण मोबाइल फोन चार्ज करने के लिए दूसरे गांव में जाने को मजबूर हैं। उन्होंने जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति सुचारू किए जाने की मांग उठाई है। इधर, ऊर्जा निगम के के अपर सहायक अभियंता आरसी पंत ने बताया कि बिजली आपूर्ति सुचारू करने के निर्देश दिए गए हैं।

किमतोली ने जीती क्रिकेट प्रतियोगिता

चम्पावत। गुमदेश के किमतोली में मां दुधाधारी क्रिकेट अंडर 16 प्रतियोगिता के खिताब पर यंग क्लब किमतोली ने कब्जा जमाया। रविवार को जीआईसी किमतोली में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले का मुख्य अतिथि जिपं सदस्य प्रीति पाठक व भाजपा जिला उपाध्यक्ष मोहित पाठक ने शुभारंभ किया। यंग क्लब किमतोली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 94 रन बनाए। जवाब में किमतोली ब्वॉयज 81 रन में ऑलआउट हो गई। 42 रनों की शानदार पारी खेलने वाले विजेता यंग क्लब किमतोली के मनीष अधिकारी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। आयोजक सचिन अधिकारी, संतोष अधिकारी, कुंदन अधिकारी, रोहित सामंत, योगेश रावत अतिथियों व सभी सहयोगियों का आभार जताया।

नैनीताल में निकला ताजिया जुलूस

नैनीताल। यादें हुसैन के मौके पर रविवार को मोहर्रम कमेटी ने मल्लीताल में ताजिया जुलूस निकाला। कमेटी की जानिब से यादें हुसैन के मौके पर शेरवानी इमामबाड़ा का ताजिया, रॉयल होटल फतेह निशान अखाड़ा व ढोल ताशा के साथ जुलूस मल्लीताल इंदिरा मार्केट से होते हुए रजा क्लब इमामबाड़ा, बेकरी कंपाउंड, जय लाल साह बाजार, बीच का बाजार, खड़ी बाजार होते हुए मस्जिद तक निकाला गया। प्रतिभागियों ने अखाड़ा खेला और विशेष हजरा घुमाया। जुलूस का सूखाताल स्थित कर्बला में समापन किया। इस दौरान मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष नाजिम बक्स, उपाध्यक्ष तस्लीम बक्स, समीर अली, मो. कासिम, मो. अजीम, फईम अहमद, आशु बक्श, आरिफ हुसैन, अब्दुल वासित, मो. इस्लाम, मो. जुबैर, रईस अहमद, नवाब हुसैन, रईस बक्श, सऊद बक्श, नाजिम, निसार अहमद, अबरार अहमद, इलियास अहमद, कलीमउल्लाह, फाजिल अहमद आदि रहे।

'किसी भी हालत में मंजूर नहीं एकीकृत पेंशन योजना

नैनीताल। केंद्र सरकार की एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) का कर्मचारियों ने विरोध शुरू कर दिया है। मामले में पुरानी पेंशन योजना बहाली संयुक्त मंच उत्तराखंड और उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन ने यूपीएस की जगह ओपीएस बहाल करने की मांग की है।एनएमओपीएस उत्तराखंड के प्रांतीय कोर कमेटी सदस्य धीरेंद्र कुमार पाठक ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि यूपीएस किसी भी तरह से स्वीकार नहीं है। राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय बंधु के नेतृत्व में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर आंदोलन चलाया जा रहा है। जब तक पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल नहीं होती, तब तक यह आंदोलन चलता रहेगा। यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और विधायक पुरानी पेंशन का लाभ ले सकते हैं, तो अधिकारियों, शिक्षकों और कार्मिकों की पुरानी पेंशन क्यों नहीं बहाल की जाती। पाठक ने कहा कि एक देश में दो विधान किसी भी तरह से स्वीकार नहीं किए जाएंगे। कहा कि जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय बंधु के निर्णय के अनुसार आंदोलन चलाया जाएगा। बीते शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली व सचिव मुकेश रतूड़ी ने भी प्रदेश कार्यसमिति की बैठक बुलाई थी, जिसमें पुरानी पेंशन के लिए ही आंदोलन की बात कही है। पाठक ने बताया कि उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन के अल्मोड़ा जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार जोशी, सचिव धीरेंद्र कुमार पाठक व संयुक्त मंत्री पुष्कर सिंह भैसोड़ा ने भी पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की है। संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र गुसाईं, उपाध्यक्ष महेश आर्य, संयुक्त मंत्री ललित मोहन भट्ट, कोषाध्यक्ष शशि मोहन पांडेय, ऑडिटर गणेश भंडारी ने भी मांग दोहराई है।

मत्स्य पालन में उत्तराखंड भरेगा ऊँची उड़ान : सौरभ बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 27 अगस्त , उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों से लगातार हो रहे पलायन को रोकने के लिए सरकार तमाम प्रयास कर रही है. इसी कड़ी में मत्स्य पालन से लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के कवायद की जा रही है. यही वजह है कि अब मत्स्य पालकों के आय को बढ़ाने को लेकर सरकार ने 200 करोड़ रुपए की योजनाएं शुरू करने जा रही है.उत्तराखंड में संचालित 'मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना' के तहत प्रदेश में 200 करोड़ रुपए की योजनाएं शुरू की जाएगी. जिसके तहत प्रदेश के 10 पर्वतीय जिलों में कोल्ड रनिंग वाटर में ट्राउट फिश उत्पादन को बढ़ाया जाएगा. साथ ही फिश के लिए प्रदेश भर में कोल्ड चेन बनाया जाएगा. ताकि, आसानी से अन्य राज्यों में इसे भेजा जा सके.ये सब संभव बना रहे हैं धामी सरकार के युवा कैबिनेट और विभागीय मंत्री सौरभ बहुगुणा

दरअसल, उत्तराखंड राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के चलते आर्थिकी के सीमित संसाधन हैं. ऐसे में राज्य सरकार मत्स्य पालन को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है. मौजूदा स्थिति ये है कि प्रदेश में बीते साल करीब 9000 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन हुआ था. इसके साथ ही करीब 950

मीट्रिक टन ट्राउट फिश (Trout Fish) का उत्पादन हुआ था. ऐसे में सरकार मत्स्य संपदा योजना के तहत ट्राउट फिश को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है. क्योंकि, ठंडे पानी की यह फिश यानी मछली स्वाद में काफी लाजवाब होती है. इससे ये फिश न सिर्फ काफी महंगी बिकती है. बल्कि, इसकी डिमांड भी काफी ज्यादा है. ऐसे में सरकार सब्सिडी के जरिए प्रदेश के किसानों को ट्राउट फिश उत्पादन के साथ जोड़ना चाहती है.

वहीं, मत्स्य पालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि 'मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना' के तहत तमाम योजनाओं को संचालित करने के लिए 12 अगस्त को उन्होंने सीएम धामी से मुलाकात की थी. इस दौरान प्रदेश के खासकर पर्वतीय जिलों में नई योजनाओं को संचालित करने का विषय रखा गया था. जिसके तहत प्रदेश में मौजूद कोल्ड रनिंग वाटर में ट्राउट फिश उत्पादन का बहुत अच्छे से काम किया जा सकता है. जिसको देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 15 अगस्त को मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत तमाम योजनाओं के लिए 200 करोड़ रुपए आवंटन की घोषणा की है.

ऐसे में ये बजट आवंटन होने के बाद पर्वतीय क्षेत्रों में ट्राउट फिश के उत्पादन को बढ़ाने के साथ ही कोल्ड स्टोरेज चेन डेवलप किया जाएगा. साथ ही सब्सिडी के जरिए को इस व्यवसाय से जोड़ा जाएगा. साथ ही कहा कि नॉर्थ इंडिया में दो ही राज्य उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश हैं, जहां ट्राउट फिश का उत्पादन किया जाता है, लेकिन इसका व्यापार बहुत बड़ा है.उन्होंने बताया कि अगर ट्राउट फिश के उत्पादन को बढ़ाकर अन्य राज्यों जैसे दिल्ली, मुंबई और बैंगलुरु में भेजा जाता है तो इससे स्थानीय लोगों को काफी फायदा मिलेगा. हालांकि, पिछले दो सालो में ट्राउट फिश का उत्पादन बढ़ने के साथ ही इसकी डिमांड भी बढ़ी है.

मुख्यमंत्री से मिली लक्ष्मी अग्रवाल सहसपुर की समस्याओं पर हुई चर्चा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- मुख्यमंत्री धामी ने हर संभव सहयोग का दिया भरोसा
- वरिष्ठ पार्टी नेता पीके अग्रवाल भी पहुंचे मुख्यमंत्री आवास

देहरादून , 27 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी को धन्यवाद ,सहसपुर की जन समस्याओं के समाधान का आपने जो आश्वासन दिया है वो क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी राहत होगी। हमारे मांगपत्र पर जल्द क्षेत्रवासियों को आपकी इस आत्मीयता और गंभीरता से सामाजिक लाभ होगा जो आपकी लोकप्रिय सरकार का आधार भी है... लक्ष्मी अग्रवाल , उत्तराखंड भाजपा की वरिष्ट नेत्री लक्ष्मी कपरूवाण अग्रवाल ने पछवादून की अनेकों समस्याओं को लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की और क्षेत्र में हो रही परेशानी को दूर करने के लिए सीएम को ज्ञापन भी दिया। लक्ष्मी कपरूवाण लगातार क्षेत्र के विकास के लिए काम कर रही है और उनका मकसद क्षेत्र का विकास करना है इसके लिए वो हर संभव प्रयास कर रही है और क्षेत्र में जो भी समस्या होती है उसको सरकार तक पहुंचाकर उसका निवारण कराने के लिए प्रयासरत रहती है। आज उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से मिलकर उन्होंने क्षेत्र की कई समस्याओं को रखा। आपको बता दे की लक्ष्मी कपरूवाण अग्रवाल पिछले काफी समय से क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए अधिकारियों को अवगत कराती रही है और लगातार क्षेत्र के विकास के लिए जनता के बीच रहती है उसी के चलते आज सीएम से मिलकर उन्होंने क्षेत्र के समस्याओं को अवगत कराया इस पर सीएम ने जल्द ही इसपर कार्यवाही करने का भरोसा दिया। लक्ष्मी कपरूवाण अग्रवाल ने सीएम से मिलकर सहसपुर विधानसभा के अंतर्गत 20 ग्राम सभाओं में पानी का संकट दूर करने के लिए एक मिनी डैम का निर्माण करने के अनुरोध किया। इसके साथ साथ

सेलाकुई में कूड़ाघर को कही और शिफ्ट करने का अनुरोध किया वही शिमला बायपास पर रपटो पर पुलो के निर्माण साथ ही हरबर्टपुर में करोड़ों की लागत से बने बस अड्डे को डिपो में परिवर्तन करने की अनुरोध भी सीएम से किया। वही क्षेत्र के डूंगा से मिसरास पट्टी तक सड़क निर्माण की मांग भी कि क्योंकी इस क्षेत्र के लोगो का बरसात के मौसम में शहर से संपर्क पूरी तरह टूट जाता है इस पर सीएम ने लक्ष्मी कपरूवाण को सभी मांगों पर अमल करने का भरोसा दिलाया।

कीर्तिनगर के पांच गांव ब्लाक मुख्यालय से कटे

श्रीनगर गढ़वाल। विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत सुपाणा से धारी मोटरमार्ग विभिन्न स्थानों पर क्षतिग्रस्त हुआ पड़ा है। रविवार सुबह हुई तेज बारिश के कारण मोटरमार्ग का 40 मीटर पैच पूर्ण रूप से धंस गया। जिसके कारण मेहरगांव, भ्यूंपाणी, ओमफा,धारी और गण्डासू गांव ब्लाक मुख्यालय से पूर्ण रूप से कट गये। मोटरमार्ग बंद होने से 2 हजार की आबादी प्रभावित हुई है। क्षेत्र पंचायत सदस्य सांक्रो डा. प्रताप भंडारी ने कहा कि सुपाणा से धारी मोटरमार्ग विभिन्न स्थानों पर क्षतिग्रस्त पड़ा हुआ है। जबकि 40 मीटर का पैच पूर्ण रूप से धंस जाने से आवाजाही अब पूर्ण रूप से बंद हो चुकी है। बताया कि मोटरमार्ग क्षतिग्रस्त होने से वाहनों की आवाजाही बंद होने से ग्रामीणों को धारी गांव पैदल पुल से ही आवाजाही करनी पड़ रही है। बताया कि पूर्व में पीएमजीएसवाई को मोटरमार्ग को खुलवाने को लेकर ज्ञापन भी सौंपा गया था। वहीं पीएमजीएसवाई कीर्तिनगर के अधिशासी अभियंता मनमोहन बिजल्वाण ने बताया कि सुपाणा से धारी मोटरमार्ग का 200 मीटर पैच क्षतिग्रस्त हुआ पड़ा है। ऊपरी क्षेत्रों में लगातार बारिश होने और बादल फटने की घटना के कारण बांध परियोजना द्वारा अचानक पानी छोड़े जाने व पहाड़ के कटाव होने से मोटरमार्ग क्षतिग्रस्त हुआ है। बताया कि एक सप्ताह के भीतर मोटरमार्ग को खोल दिया जायेगा।

पिपली गांव में गुलदार को गौशाला में बंद कर पकड़ा

नई टिहरी। बीते कई दिनों ने नई टिहरी के केमसारी क्षेत्र में दहशत का पर्याय बना गुलदार को पिपली गांव में महिला ने हिम्मत कर गौशाला में बंद कर दिया। जिसके बाद वन विभाग ने गुलदार को रेस्क्यू कर पिंजरे में कैद कर लिया है। गुलदार की जांच के करने के बाद उसे चिड़ियापुर के जंगलों में छोड़ने की तैयारी है। पिपली गांव में रविवार सुबह के वक्त गांव की महिला गीता देवी अपनी भैंस को चारा देने गौशाला में जाने लगी तो भैंस अचानक बाहर आ गई। अंदर गुलदार को देख गीता देवी ने शोर मचाते हुए गौशाला का दरवाजा तुरंत बंद कर दिया। इस बीच ग्रामीण भी मौके पर आ गए। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। जिसके बाद वन विभाग ने टीम के साथ गुलदार को रेस्क्यू करने का काम किया। गुलदार को पिंजरें में कैद किया गया है।

पाटी और बाराकोट में नहीं खुलेंगे केंद्रीय विद्यालय

चम्पावत। पाटी और बाराकोट में केंद्रीय विद्यालय खोलने की योजना को झटका लगा है। केंद्रीय कर्मचारी नहीं होने से प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया है। स्कूल खोलने के लिए बाराकोट में चयन कर लिया गया था। वर्ष 2019 में केंद्रीय विद्यालय खोलने के आदेश दिए गए थे। चम्पावत जिले के पाटी और बाराकोट ब्लॉक में केंद्रीय विद्यालय खोलने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। दरअसल दोनों ब्लॉक में केंद्रीय कर्मचारियों के नहीं होने से इस प्रस्ताव को को अब ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

शासन ने अगस्त 2019 में चम्पावत जिले के चारों ब्लॉकों में एक-एक केंद्रीय विद्यालय खोले जाने के आदेश दिए थे। योजना के तहत विद्यालय के स्थायी भवन और स्टाफ क्वार्टर के लिए 2.5 से पांच एकड़ जमीन चिन्हित की जानी थी। चिन्हित भूमि के प्रस्ताव को प्रति वर्ष एक रुपये की दर से 99 वर्ष के लिए पट्टे पर या निशुल्क स्थायी स्थानांतरण पर केंद्रीय विद्यालय संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय को भेजा जाना था। इसके बाद शिक्षा विभाग ने पाटी ब्लॉक के गूम ग्राम पंचायत बाराकोट ब्लॉक के पम्दा ग्राम पंचायत में जमीन चिन्हित की थी, लेकिन अब तक इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया है।

बैडमिंटन प्रतियोगिता 27 अगस्त से शुरू

श्रीनगर गढ़वाल। राष्ट्रीय खेल दिवस के पर गढ़वाल विवि खेल बोर्ड द्वारा अंतर संस्थान बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 29 अगस्त के बीच बिड़ला परिसर के इंडोर बैडमिंटन हॉल में होगा। प्रतियोगिता में विद्यार्थी और कर्मचारी (महिला व पुरुष) वर्ग में प्रतिभाग करेंगे। शहर के एनआईटी, राजकीय चिकित्सा संस्थान, राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय, जीबी. पंत प्रोद्योगिक संस्थान, सशस्त्र सीमा बल, राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय आदि सहित विश्वविद्यालय के तीनों परिसर बिड़ला , टिहरी व पौड़ी परिसर की टीमें प्रतिभाग करेंगी। सहायक निदेशक शारीरिक शिक्षा मोहित सिंह बिष्ट ने बताया आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।बताया कि आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में विश्वविद्यालय के निर्माण व रखरखाव विभाग, विद्युत विभाग और जनसंचार व पत्रकारिता विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।

गुमदेश में गौरा महोत्सव का भव्य शुभारंभ

चम्पावत। गुमदेश के जिंडी गांव में रविवार को आठ दिनी गौरा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस दौरान महिलाओं ने गांव के मंदिरों में पूजा अर्चना कर मंगल गीत गाए। इसके साथ ही गुमदेश क्षेत्र के गांवों में गौरा गायन भी शुरू हो गया है। रविवार को जिंडी गांव में जिपं सदस्य प्रीति पाठक और भाजपा जिला उपाध्यक्ष मोहित पाठक ने गौरा महोत्सव का शुभारंभ किया। श्रद्धालु गौरा देवी की प्रतिमा को आस्थापूर्वक डलिया में विराजमान कर जिंडी के देवी थान स्थित गौरा देवी मंदिर तक ले गए। क्षेत्र की महिलाओं ने मंगल गीत गाकर देवी मां की आराधना की। इससे पूर्व सुबह से ही पुरोहितों ने मंदिर में पूजा-पाठ सहित विभिन्न अनुष्ठान संपन्न कराए।

इसके साथ ही गुमदेश क्षेत्र के चमदेवल, लुपड़ा, नरसों, सुनकुरी, निडिल, गंगनौला, भरछाना, बाराकोट ब्लाक के नौमाना आदि गांवों में गौरा गायन शुरू हो गया है। पुरुषों ने गौरा, धूमारी, चाली का गायन के साथ नृत्य भी किया। महिलाओं ने मांगलिक गीत और झोड़े, चांचरी गाए। इस दौरान मदन कलौनी, कल्यान चंद, गुमान चंद, बृजमोहन, लक्ष्मण चंद, त्रिलोक चंद, रीता देवी, पुष्पा कलौनी, शंकर चंद, चंद्रीचंद, निर्मल चंद, गुमान राम, जोगा राम, हयात राम, बेनीराम आदि मौजूद रहे।